सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही एमसीए ने दी हरमनप्रीत सहित भारतीय महिला टीम को बधाइ-पेज: 7

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ह्यूमन कोकेन में नजर आएंगे सिद्धांत कपूर -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 206 | मंगलवार 04 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

हापुड़ में गढ़ गंगा मेला को लेकर तैयारी जोरों पर

हापुड़ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के हापुड़ में गढ़ गंगा के मेले के साथ ही तीर्थ नगरी ब्रजघाट में भी करीब पाँच लाख श्रद्धालु स्नान करने वाले है। हापुड़ में दिल्ली-लखनऊ हाईवे के किनारे बसा होने के कारण वाहनों का अत्यधिक दबाव और श्रद्धालुओं के आगमन से चतुर्दशी एवं पूर्णिमा पर जाम लगने के पूर्ण आसार हैं। गढ़मुक्तेश्वर के गंगा मेले में जाम इतना खराब होता है कि वाहनों की कतार मेला स्थल से करीब 12 किलोमीटर दूर दिल्ली-लखनऊ हाईवे तक पहुँच जाती है। ब्रजघाट में भी दीपदान और अनुष्ठानों के कारण हाईवे और अन्य मार्गों पर जाम लगता है। पिछली अमावस्या पर करीब पाँच लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण 18 घंटों तक लोगों को जाम में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। अनेक श्रद्धालुओं ने कई दिन पहले से ही होटल, गेस्ट हाउस, धर्मशालाओं को बुक कर डेरा जमा दिया है, जिससे अब बाहरी लोगों को रहने के लिए स्थान नहीं मिल रहे हैं। मात्र 67 पुलिसकर्मी के कंधों पर शहरी मेले की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस बल का विवरण : एक थाना प्रभारी, 15 दारोगा, 44 हेड कॉन्स्टेबल और सात महिला पुलिसकर्मी शामिल है। इतना ही नहीं पुलिस ने मनचलों पर नजर रखने के लिए तीन एंटी रोमियो की टीम लगाई गई हैं। गंगा तट पर बने टावर से पुलिस निगरानी कर रही है। शहरी मेले पर 24 घंटे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कड़ी निगरानी की जा रही है। घाट तक आने-जाने वाले रास्तों पर भी सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं। अन्य उपाय में बैरिकेडिंग के साथ सभी बैरियर पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है। पिकेट व चेकिंग पॉइंट्स की संख्या बढ़ाई जा रही है।

केंद्रीय सुरक्षा बलों ने संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान 2 पुराने आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया

श्रीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के हंजीपोरा के वन क्षेत्रों में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो पुराने आतंकवादी ठिकानों को सफलतापूर्वक ध्वस्त किया। खुफिया जानकारी मिलने के बाद, 9 राष्ट्रीय राइफल्स और लोकल पुलिस ने यह अभियान चलाया। संयुक्त तलाशी में वन क्षेत्रों के बीच इन ठिकानों का पता लगाया गया और बाद में इनका फिर इस्तेमाल रोकने के लिए इन्हें नष्ट किया गया। वन क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी गई है और आगे तलाशी अभियान जारी है। यह पिछले माह अनंतनाग जिले के हॉर्नाग-वतकश जंगल में इसी तरह के ऑपरेशन के बाद हुआ है, जहाँ सुरक्षा बलों को एक सुरक्षित ठिकाना मिला था। यह तलाशी 19 राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस (जेकेपी) द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। अधिकारियों ने घटनास्थल से बैकपैक, गर्म कपड़े, बर्तन, खुदाई के औज़ार, एक गैस सिलेंडर और संदिग्ध युद्ध-संबंधी सामान बरामद किए। इन चीजों से संकेत मिलता है कि इस ठिकाने पर हाल ही में आतंकवादियों ने कब्ज़ा किया होगा। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि हवाई निगरानी से बचने के लिए इन ठिकानों को रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था और ये इस क्षेत्र में आतंकवादियों के अस्थायी ठिकानों के रूप में काम कर सकते थे।

फलोदी में सड़क हादसे में 24 मौतों के बाद जागा प्रशासन, हाईवे किनारे से हटाए ढाबे

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान के फलोदी में रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में अब तक 24 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है। इस हादसे के बाद प्रशासन चेता और और उसने सोमवार को हाइवे से किनारे बने ढाबे और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की। इस हादस में मरने वालों में एक ही परिवार के 7 लोग हैं। सभी श्रद्धालु जोधपुर के सूरसागर इलाके के रहने वाले हैं। उधर, भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर एक साथ हुई 24 मौतों के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एडीएम अंजुम ताहिर ने बताया कि मृतक आश्रितों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जिनके परिवार में तीन या इससे ज्यादा लोगों की मौत हुई है, उन्हें 25 लाख रुपए तक की सहायता राशि दी जाएगी। गंभीर रूप से घायलों को 2 लाख की आर्थिक मदद दी जाएगी। इसके अलावा पीएम राहत कोष से भी मृतक आश्रितों को 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर फलोदी के बापिणी उपखंड क्षेत्र के मतोड़ा में ओवरटेक करते समय टेम्पो ट्रेवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में घुस गया। मरने वालों में चार बच्चे, ड्राइवर और 10 महिलाएं शामिल हैं। टेम्पो ट्रेवलर में सवार सभी लोग देवउठनी एकादशी पर कपिल मुनि के आश्रम दर्शन करने गए थे। लौटते समय यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेम्पो ट्रेवलर के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय से हर मुकाम हासिल कर सकते हैं : कंगना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने महिला विश्व कप 2025 का खिताब जीत लिया। इस जीत पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम हैं विश्व चैंपियन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे विश्व कप 2025 जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारी बेटियों ने दिखा दिया कि दृढ़ निश्चय और टीम स्पिरिट से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। वहीं बीजेपी नेता डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि जय हो, विजयी भारत। टीम इंडिया ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार जीत के साथ इतिहास रच दिया है। हमारी असाधारण महिला क्रिकेट टीम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई। आपके साहस, जुनून और उत्कृष्टता ने देश को गौरवान्वित किया है। केंद्रीय मंत्री निर्तिन गडकरी ने कहा कि आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 जीतने पर टीम इंडिया को हार्दिक बधाई। हमारी चैंपियन खिलाड़ियों ने धैर्य, कौशल और दृढ़ संकल्प का अद्भुत प्रदर्शन किया है। आपने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और पूरे देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नीले रंग की हर योद्धा को सलाम- अपने जुनून, प्रतिभा और अदम्य साहस से विश्व कप को रोशन करने के लिए। यह जीत सिर्फ क्रिकेट की नहीं है- यह सपनों, समर्पण और अजेय नारी शक्ति की शक्ति की है!

बता दें नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम 52 रन से जीत दर्ज कर विश्व क्रिकेट की नई चैंपियन बनी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 298 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका 45.3 ओवर में 246 रन पर सिमट गई।

अमित शाह का दावा: मोदी-नीतीश जोड़ी ने बिहार को जंगल राज से दिलाई मुक्ति, खत्म किया वंशवाद

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी साझेदारी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई और वंशवाद का अंत किया। उन्होंने राजद के लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर अपने वंशजों को सत्ता में बिठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सीतामढ़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, ÷नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी ने बिहार को 'जंगल राज' से मुक्ति दिलाई है। हमने वंशवाद का अंत किया। लालू जी और राबड़ी जी अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। सोनिया गांधी अपने बेटे को देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। लेकिन मैं लालू-राबड़ी और सोनिया जी को यह बताने आया हूँ कि न तो लालू जी का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और न ही सोनिया जी का बेटा प्रधानमंत्री। क्योंकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश जी हैं और नरेंद्र मोदी जी दिल्ली (केंद्र) में सत्ता में हैं।'

अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए गृह मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया 'मतदाता अधिकार यात्रा' पर हमला बोला और इसे 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' बताया। शाह ने कहा, 'राहुल गांधी हाल ही में यहाँ आए थे। उन्होंने 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' निकाली थी। रीगा सीमा के पास स्थित है; यह नेपाल के पास है। मुझे बताइए, क्या बांग्लादेशी घुसपैठियों को बिहार की मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए? ये घुसपैठिए गरीबों के अनाज का हिस्सा हड़प लेते हैं, युवाओं से रोज़गार छीन लेते हैं और जो बांग्लादेश से यहाँ आए हैं, उन्हें यहाँ वोट देने और बिहार का मुख्यमंत्री चुनने का कोई अधिकार नहीं है।' केंद्रीय गृह मंत्री ने पहली बार दावा किया कि पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।

उन्होंने कहा, 'केंद्र में कांग्रेस सत्ता में थी। बिहार के कई ज़िले नक्सल प्रभावित थे। मतदान दोपहर 3 बजे समाप्त हो जाता था। अब पहली बार पूरा बिहार शाम 5 बजे तक मतदान करेगा क्योंकि अब बिहार नक्सल मुक्त है।' 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में 6 नवंबर और 11 नवंबर को होना है, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

औवैसी की तेजस्वी को खुली चुनौती... एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बात दें

पटना (एजेंसी)। एआईएमआईएम के सुप्रीमो और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने तेजस्वी को एक्सट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिख देने की चुनौती दी है। बिहार के किशनगंज में चुनावी सभा को संबोधित कर ओवैसी का दर्द भी छलक गया। काफी प्रयास करने के बावजूद

राजद ने एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल नहीं किया। ओवैसी की पार्टी ने करीब छह सीटों की मांग की थी। आवैसी ने कहा कि पार्टी से गठबंधन नहीं करने की वजह तेजस्वी ने बताकर कहा कि ओवैसी एस्ट्रीमिस्ट है, चरमपंथी है, दहशतगर्द है। मैं तेजस्वी को बोलूंगा कि बाबू जरा एक्स्ट्रीमिस्ट अंग्रेजी में लिखकर बता दो। मैं अल्लाह के बाद किसी के आगे सिर नहीं झुकाता। सच्चे मुसलमान की तरह अल्लाह की इबादत करता हूं। दाढ़ी और टोपी रखता हूं, तब वे मुझे चमपंथी कहते हैं। दरअसल सीमांचल में पांच सीटों पर 2020 के विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज कर ओवैसी ने सभी को चौंका दिया था। उनकी पार्टी ने राजद को काफी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि, बाद में चारों विधायको को राजद ने तोड़ लिया था। 2025 के चुनाव में ओवैसी राजद के साथ मिलकर चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन बात नहीं बनी। उनके प्रदेश अध्यक्ष लालू यादव के दरवाजे तक ढोल बजाते गए। लेकिन गेट भी नहीं खोला गया। तब से दोनों पार्टियों के बीच ठन गई। ओवैसी खुलकर तेजस्वी यादव के खिलाफ बोलना शुरु कर दिया। ओवैसी ने कहा कि राजद नेता पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। भागलपुर दंगे के आरोपी कामेश्वर को सम्मानित कर मुसलमानों के जले पर नमक छिड़कने का काम किया जा रहा है। मुसलमानों के खिलाफ कोई जुल्म करता है, तब चुप्पी लगा लेते हैं। उन्हें सिर्फ मुसलमानों के वोट से मतलब है। यह भी दावा किया कि इस बार सीमांचल का बेटा ही बिहार का सीएम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए समय सीमा बढ़ाने की याचिका पर करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट नेऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें वक्फ बाय यूजर समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को 28 अक्टूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी थी।

सोमवार को ओवैसी के वकील ने चीफ जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ के समक्ष मामले को तुरंत सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया। सीजेआई ने कहा कि हम एक नई तारीख तय करेंगे। वकील ने बताया कि वक्फ संपत्तियों के अनिवार्य पंजीकरण के लिए तय छह महीने की अवधि समाप्त होने के करीब है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर को अंतरिम आदेश के तहत वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के कुछ प्रमुख प्रावधानों पर रोक लगा दी थी। इनमें यह प्रावधान शामिल था कि केवल पिछले पांच साल से इस्लाम का पालन करने वाले व्यक्ति ही वक्फ बना सकते हैं। हालांकि पूरे कानून को रद्द नहीं किया गया था।

कोर्ट ने कहा था कि नए संशोधित कानून में वक्फ बाय यूजर प्रावधान हटाने का केंद्र सरकार का आदेश प्रथम दृष्टया मनमाना नहीं था और इस दलील का कोई आधार नहीं है कि सरकार वक्फ संपत्ति जब्त कर लेगी। औपचारिक दस्तावेज के बिना लंबे समय तक धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाए जाने के कारण वक्फ के रूप में मान्यता हासिल करने वाली संपत्ति को वक्फ बाय यूजर कहा जाता है। ओवैसी के वकील ने कोर्ट से कहा कि संशोधित कानून के मुताबिक वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए छह महीने का समय दिया गया था और पांच महीने न्यायालय के फैसले के दौरान निकल गए, अब केवल एक महीना बाकी है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का चुनाव आयोग को कोई अधिकार नहीं, आगामी चुनाव 1 जुलाई की सूची के अनुसार ही होंगे- चुनाव आयोग

मुंबई (एजेंसी)। राज्य चुनाव आयोग ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक हलफनामे में स्पष्ट किया है कि हमें मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार है। केवल वे लोग जिनके नाम 1 जुलाई, 2025 तक इस सूची में हैं, इस वर्ष मतदान कर सकते हैं और चुनाव लड़ सकते हैं। दरअसल संदीप रासकर ने आलंदी नगर परिषद की मतदाता सूची में अपना नाम जोड़ने के आवेदन को अस्वीकार किए जाने के खिलाफ इस संबंध में हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका पर संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति अमित जामसांडेकर ने चुनाव आयोग को इस पर एक हलफनामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया था। तदनुसार, आयोग ने प्रस्तुत हलफनामे में इस स्थिति को स्पष्ट किया है। दरअसल रासकर का नाम आलंदी नगर परिषद, भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची में था। 22 नवंबर, 2021 को संदीप रासकर ने भोसरी विधानसभा और खेड़ नगर परिषद की मतदाता सूची से अपना नाम हटाने के लिए प्रशासन को आवेदन दिया था। इस आवेदन के लंबित रहने के दौरान, रासकर का नाम आलंदी मतदाता सूची से हटा दिया गया था। उनका कहना है कि हम पहले भी इस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके हैं और जीते हैं। इसलिए, इस मतदाता सूची से हमारा नाम हटाना गलत है। हम इस निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ना चाहते हैं। संदीप रासकर ने एक याचिका के माध्यम से हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि हमारा नाम फिर से इस मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

आयोग के वकील सचिंद्र शेट्ये ने अदालत के समक्ष यह हलफनामा पेश किया है। इसमें कहा गया है कि राज्य चुनाव आयोग या उसके किसी भी अधिकारी को मतदाता सूची में नाम जोड़ने या बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है। आगामी नगरपालिका और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मतदाता सूची की कट-ऑफ तिथि 1 जुलाई, 2025 थी। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि सूची तदनुसार तैयार की गई है और उसी आधार पर मतदान होगा। अगर किसी का नाम पहले मतदाता सूची में था, लेकिन अब हटा दिया गया है, तो इसके खिलाफ अपील करने का कानून में प्रावधान है, आयोग ने हाई कोर्ट का ध्यान आकर्षित किया। चुनाव आयोग के स्पष्ट रुख को ध्यान में रखते हुए हाई कोर्ट ने याचिका का निपटारा कर दिया।

बच्चे के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की याचिका खारिज, सुप्रीम कोर्ट ने किया नेपाल का ज़िक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 14 से 18 वर्ष के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज किया है। शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए साफ कहा कि इस तरह के फैसले नीतिगत मामले हैं, जिन पर निर्णय लेना सरकार का अधिकार क्षेत्र है, न्यायपालिका का नहीं।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा, 'आप जानते हैं, नेपाल में जब इस तरह का प्रतिबंध लगाने की कोशिश की गई थी, तब क्या हुआ था? साथ ही कोर्ट ने कहा, 'धन्यवाद, हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

दरअसल याचिकाकर्ता ने दलील दी कि कोविड-19 महामारी के बाद बच्चे मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के आदि हो गए हैं, इससे उनकी मानसिक स्थिति और पढ़ाई पर बुरा असर पड़ा है। उन्होंने तर्क दिया कि यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, चीन और अरब देशों में नाबालिगों के सोशल मीडिया उपयोग पर पहले से ही प्रतिबंध है, लेकिन भारत में ऐसा कोई नियम नहीं बनाया गया है। याचिका में बताया गया कि

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की एकाग्रता, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं, और माता-पिता के कंट्रोल से भी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह पा रहे हैं। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर नाबालिगों के उपयोग पर रोक लगाना एक नीतिगत निर्णय है, जो केंद्र सरकार और संबंधित संस्थाओं को लेना चाहिए, न कि अदालत को इसपर कोई आदेश देना चाहिए। सीजेआई गवई की 'नेपाल' वाली टिप्पणी ने इस बात का संकेत दिया कि इस तरह के प्रतिबंधों के व्यवहारिक और सामाजिक परिणामों पर विचार जरूरी है। अदालत ने किसी भी प्रकार का निर्देश जारी किए बिना याचिका को निपटा दिया।

भारत आ रहे इजराइली विदेश मंत्री, पीएम मोदी व जयशंकर से करेंगे मुलाकात

- टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट विषयों पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल के विदेश गिदोन सार अगले हफ्ते भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा इसलिए अहम है, क्योंकि गाजा संकट अभी खत्म नहीं हुआ है और अगले महीने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा भी प्रस्तावित है। अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा में इजराइली विदेश मंत्री पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत यात्रा के दौरान इजराइल के विदेश गिदोन सार जिन द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे, उनमें टेक्नोलॉजी, डिफेंस और रीजनल डेवलपमेंट के अलावा अन्य विषय भी शामिल हैं। गाजा संकट के दौरान इजराइल के कई शीर्ष नेता भारत दौरे पर या तो आ चुके हैं या आने वाले हैं। इनमें गिदोन इजराइल की सत्ता की एक और नई शख्सियत हैं।

गिदोन सार और जयशंकर इसी साल म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के मौके पर मिल चुके हैं। तब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव पर भी चर्चा की थी, जिसमें एशिया, यूरोप और अमेरिका को इजराइल के जरिए जोड़ने की बात कही थी। अब सार की भारत यात्रा में इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर पर भी बात होगी। यह कॉरिडोर एशिया, मध्य पूर्व और यूरोप को जोड़ने वाली एक बड़ी परियोजना है।

अगले महीने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का भारत दौरा भी प्रस्तावित है। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2026 में वहां के रक्षा मंत्री योव गैलेंट और नए साल की पहली छमाही में ही इजराइल के राष्ट्रपति इसाक हरजोग की भारत यात्रा भी होने वाली है। इस तरह से पिछले दो साल में भारत आने वाले इजराइल के हाई-प्रोफाइल नेताओं की एक लंबी लिस्ट तैयार हो चुकी है।

इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच सितंबर में भारत आए थे। उस दौरान दोनों देशों के बीच निवेश को बढ़ावा देने और निवेशकों को भरोसा दिलाने के लिए द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस संधि के तहत निवेश को जब्त होने से बचाया जाएगा, साथ ही नुकसान होने पर मुआवजा भी दिया जाएगा और पारदर्शिता भी रहेगी। वहीं अर्थव्यवस्था मंत्री निर बरकत एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आए थे। इजराइल को विभिन्न क्षेत्रों में कामगारों के संकट का सामना करना पड़ रहा है और इसके लिए वह भारत से मदद ले रहा है। आज की तारीख में करीब 40,000 भारतीय इजराइल में काम कर रहे हैं और वह इस संख्या को बढ़ाना चाहता है।

चुनावी सरगर्मियों के बीच बिहार के सभी होटल्स फुल, एक रात के ले रहे बीस हजार

-कॉन्फ्रेंस हॉल राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए

पटना (एजेंसी)। बिहार में चुनावी सरगर्मियों चरम पर है और होटल्स की डिमांड भी खूब हो रही है। शहर के करीब सभी बड़े होटल्स फुल हो चुके हैं। चाहे वो दशकों पुराना होटल मौर्य हो, चाणक्य या हाल ही में शुरू हुआ ताज होटलज्चुनावी बुखार ने राजधानी के सभी बड़े होटलों को मालामाल कर दिया है। होटल मौर्य के कॉन्फ्रेंस हॉल से लेकर लॉबी तक अब नेताओं, पत्रकारों और चुनावी रणनीतिकारों का डेरा डल चुका है। यहां बने कॉन्फ्रेंस हॉल अब राजनीतिक बैठकों और टीवी चैनलों के डिबेट सेट्स में बदल गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट में होटल के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि पार्टियां अपने नेताओं के लिए कमरे पहले से बुक करा लेती हैं, भले ही उनका इस्तेमाल न हो। उन्हें पता है कि बाद में एक भी कमरा खाली नहीं मिलेगा। करीब 80 कमरों वाले होटल मौर्य में भी इस वक्त 'हाउसफुल' का बोर्ड लगा हुआ है। वहीं, चाणक्य होटल में ऑनलाइन बुकिंग करने पर 'सॉल्ड आउट' यानी सारे कमरे बुक होने का संदेश दिख रहा है।

रिपोर्ट में यात्रा पोर्टल्स के मुताबिक हाल ही में खुले ताज होटल में कमरे की कीमतें 18,000 से 20,000 रुपए प्रति रात तक पहुंच चुकी है। यही नहीं आईएचसीएल ग्रुप ने पटना में एक बजट होटल भी खोला है, लेकिन वहां भी सीटें पहले से बुक हैं.

कमरों की भारी कमी से बेहाल पटना पटना की होटल इंडस्ट्री मांग के हिसाब से क्षमता नहीं बढ़ा पाई है. होटल मौर्य और चाणक्य जैसे प्रतिष्ठित होटलों को बने चार दशक से अधिक हो चुके हैं, जबकि राज्य सरकार संचालित होटल अभी मरम्मत के दौर से गुजर रहा है.

1990 के दशक और शुरुआती 2000 के वर्षों में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब रहने के कारण कोई बड़ा होटल निवेश नहीं हुआ। हाल के वर्षों में शराबबंदी से भी होटल कारोबार को झटका लगा है। अब कई मेहमान डे ट्रिप में ही लौट जाते हैं। वहीं शादियां व कॉन्फ्रेंस बिहार से बाहर शिफ्ट हो गई हैं। सिर्फ पटना ही नहीं, गया, मुजफ्फरपुर और भागलपुर जैसे प्रमुख शहरों में भी यही स्थिति है। क्वालिटी होटलों की कमी बिहार को पड़ोसी राज्यों से पीछे दिखाती है। तेजी से बढ़ती बिहार की अर्थव्यवस्था और निवेश की संभावनाओं को देखते हुए कुछ अंतरराष्ट्रीय होटल चेन राज्य में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की योजना बना रही हैं। हालांकि, इन योजनाओं का भविष्य काफी हद तक चुनाव परिणामों पर निर्भर करेगा। फिलहाल, बिहार चुनाव ने पटना के होटल कारोबारियों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है, क्योंकि कमरों की 'कमी' अब उनकी कमाई का जरिया बन चुकी है।

संपादकीय

प्रेस की आज़ादी में बाधा

इसे दुर्भाग्यपूर्ण विडंबना ही कहा जाएगा कि जिस 2 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्रकारों के खिलाफ दुराग्रह व हिंसा से मुक्ति के लिये मनाया जाता है, उसी दिन पंजाब भर में पुलिस द्वारा अखबारों को पाठकों तक पहुंचने से रोका गया। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिन को मनाये जाने का उद्देश्य अभिव्यक्ति की आजादी और सूचना तक सार्वभौमिक पहुंच पर मंडराते खतरों के खिलाफ चेतना जगाना रहा है। वहीं इस दिन पंजाब पुलिस ने रविवार तड़के समाचार पत्र ले जाने वाले वाहनों को रोककर कथित जांच का उपक्रम किया। फलतः लाखों पाठक आपने पसंदीदा समाचार पत्रों का बेसब्री से इंतजार करते रह गए। निश्चित रूप से उन लोगों के लिये यह कष्टदायक ही रहा होगा, जिनके दिन की शुरूआत ही अखबार के साथ चाय-कॉफी से होती है। वे घंटों प्रतीक्षा करते रह गए, लेकिन पुलिस कार्रवाई के चलते उन तक समाचार पत्र नहीं पहुंचे। हालांकि, इस कार्रवाई के बाबत पुलिसिया दलील किसी के गले नहीं उतरी। पुलिस का दावा था कि यह जांच खुफिया एजेंसियों की सूचना पर आधारित थी कि इन वाहनों का उपयोग नशे, हथियार व प्रतिबंधित चीजों की तस्करी के लिये किया जा सकता है। हालांकि, ऐसी प्रतिबंधित व आपराधिक श्रेणी में आने वाली किसी वस्तु का कोई सुराग नहीं मिला। लेकिन पुलिस की कथित कार्रवाई पर तमाम तरह के सवाल जरूर उठे। पत्रकारों तथा तमाम मीडिया संगठनों ने समाचार पत्रों के वितरण में बाधा डालने की इस आपत्तिजनक कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है।

वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सत्तारूढ आम आदमी पार्टी की सरकार पर प्रेस की आजादी पर हमला करने को दुर्भाग्यूपर्ण घटना बताया। इसे मीडिया पर हमला बताते हुए इसे पंजाब सरकार की ओर से लगाया गया अघोषित आपातकाल बताया गया। यह भी आरोप लगा कि भगवंत मान सरकार ने उसे परेशान करने वाली खबरों पर रोक लगाने के मकसद से पुलिस के जरिये यह दमनात्मक कार्रवाई की। यह घटना अभिव्यक्ति की आजादी पर ऐसा हमला है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसमें दोराय नहीं कि सीमावर्ती राज्य पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगी इतनी लंबी सीमा है कि सुरक्षा के नजरिये से किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद राज्य सरकार को सतर्कता और पारदर्शिता के बीच बेहतर संतुलन बनाना चाहिए। रविवार को अखबार ले जाने वाले वाहनों पर कार्रवाई शुरू करने से पहले मीडिया घरानों और समाचार पत्र आपूर्तिकताओं सहित सभी हितधारकों को विश्वास में लिया जाना जरूरी था। निश्चित रूप से इससे व्यवधान और भ्रम की स्थिति से बचा जा सकता था। निर्विवाद रूप से मीडिया की स्वतंत्रता किसी स्वस्थ लोकतंत्र की आधारशिला है। यहां तक कि पंजाब के सबसे मुश्किल दौर में भी यह जरूरी है। सरकार और पुलिस को चरमपंथ के चरम वक्त को याद करने की सलाह दी जानी चाहिए, जब पुलिस सुबह के दौरे में साइकिल पर सवार हॉकरों को सुरक्षा प्रदान किया करती थी।

चिंतन-मनन

गहराई में जाएं

गुरू के पास तीन शिष्य आए, बोले, गुरूदेव! हम साधना करना चाहते हैं। कोई साधना का सूत्र बताएं। गुरू ने सोचा, साधना का सूत्र बताने से पहले परीक्षा कर ली जाए। गुरू ने तीनों से एक प्रश्न पूछा, आंख और कान में कितना अंतर है। पहला व्यक्ति बोला, चार अंगुल का। दूसरे ने कहा, कान से आंख ज्यादा काम आती है। आंखों देखी बात बहुत स्पष्ट होती है। आंखों देखी और कानों सुनी बात में बहुत अंतर होता है। तीसरे का जवाब था, आंख से हम देख सकते हैं, किन्तु परमार्थ की बात कान से ही सुन सकते हैं।

गुरू ने पहले व्यक्ति से कहा, तुम अभी व्यापार करो। तुम्हारा नाप-जोख में रस है। तुम साधना के अधिकारी नहीं हो। दूसरे व्यक्ति से कहा, तुम अभी न्याय का काम करो। लोगों के झगड़े सुलझाओ। आंख द्वारा देखे गए प्रमाण ज्यादा सच होते हैं। तीसरे व्यक्ति से कहा, तुम साधना के योग्य हो। मैं तुम्हें आत्मिक ज्ञान दूंगा, क्योंकि तुम परमार्थ की बात में रस लेते हो। यही कान, यही आंख सबके पास है। यदि आंख सच्चाई को देखने लग जाए, कान परमार्थ की बात को सुनने लग जाए तो नई बातें हमें प्राप्त हो सकती हैं। इसके लिए हमें गहराई में जाना होगा। सतह पर रहने से काम नहीं चलेगा। यदि हम अध्यात्म चिकित्सा या भाव चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग प्रस्तुत करें तो अध्यात्म की उपयोगिता बढ़ेगी, यह विश्वास प्रबल होता है। यह भौतिकता का नहीं, अध्यात्म का भी एक साम्राज्य है और उसके बिना मनुष्य सुख और शांति का जीवन जी नहीं सकता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

अभी समय लगेगा नीतीश कुमार को राजनीति से बाहर करने में

कुमार कृष्णन

भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को उनकी औकात दिखा दी है। अमित शाह ने साफ कर दिया कि 2025 विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद भी नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने की कोई गारंटी नहीं है।

बिहार के मुंगेर कोतवाली के पीछे शर्मा जी की चाय दुकान पर वहस में यह समझाने की कोशिश की जा रही है कि चुनाव के बाद भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाएगी।

एक मित्र दूसरे मित्र को जोर देकर कहते हैं, बस इंतजार कीजिए और देखिए। भाजपा निश्चित रूप से जदयू से ज्यादा सीटें जीतेगी और मुख्यमंत्री की गद्दी पर कब्जा करेगी। नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे।

गृह मंत्री की टिप्पणी को नीतीश कुमार के दो दशक लंबे शासनकाल के अंत के संकेत के रूप में व्यापक रूप से देखा जा रहा है, अमित शाह की टिप्पणी ने अनजाने में ही जेडीयू नेता की राजनीतिक स्थिति को मजबूत कर दिया है। हालाँकि बाद में शाह ने अपना रुख नरम करने की कोशिश की–यह सुझाव देते हुए कि एनडीए नीतीश के नेतृत्व में जारी रह सकता है–लेकिन अटकलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। एक समय लुप्त होती ताकत के रूप में खारिज किए जा चुके नीतीश ने अपनी प्रासंगिकता फिर से स्थापित कर ली है और इस चुनावी मौसम में खुद को एक बार फिर बिहार के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में स्थापित कर लिया है। पटना के भीड़-भाड़ वाले बाजारों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, मतदाताओं का मूड बताता है कि अपने स्वास्थ्य और मनःस्थिति पर सवालों के बावजूद, नीतीश एनडीए के चुनावी गणित के लिए अपरिहार्य बने हुए हैं।

पलटू राम और पलटू चाचा जैसे उपहासपूर्ण विशेषण – नीतीश के लगातार बदलते राजनीतिक उलटफेरों को दशार्ते हुए–2020 के विधानसभा चुनावों में छाए रहे, अब काफी हद तक फीके पड़ गए हैं। राजद के मूल जनाधार वाले यादवों और मुसलमानों को छोड़कर, आज बहुत कम मतदाता इन व्यंग्यों का इस्तेमाल करते हैं।

विडंबना यह है कि 74 वर्षीय नेता ने खुद पाँच साल पहले घोषित अपनी विदाई को दरकिनार कर दिया है और चुनाव प्रचार में वापस आ गए हैं, रोजाना कई रैलियों को संबोधित कर रहे हैं, हालाँकि वह अपना लिखा हुआ भाषण ही पढ़ते हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान, प्रचार के आखिरी दिन, उन्होंने पूर्णिया के दमदाहा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली में घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी चुनावी मुकाबला होगा।

आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है और परसों चुनाव है। यह मेरा आखिरी चुनाव है। अंत भला तो सब भला , उन्होंने 5 नवंबर, 2020 को कहा था।नीतीश को दरकिनार किए जाने की चर्चा ने ही गैर-यादव पिछड़ी जातियों के एक बड़े वर्ग को, जो उनका सबसे वफादार मतदाता वर्ग है, उत्साहित कर दिया है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकारी स्कूलों में शिक्षा की खराब गुणवत्ता को लेकर व्यापक शिकायतों के बावजूद, उनमें से कई लोग किसी विकल्प पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे नीतीश को सड़कें बनवाने, अपेक्षाकृत शांति सुनिश्चित करने और बिहार को उसके अराजकता भरे अतीत से बाहर निकालने का श्रेय देते हैं। गंगा के उस पार राघोपुर में–जो उनके प्रतिद्वंद्वी तेजस्वी यादव का गढ़ है–अति पिछड़ी जाति के किसान हरलाल चंद्रवंशी, मुख्यमंत्री के मानसिक पतन की अटकलों को विरोधियों का प्रचार कहकर खारिज करते हैं। वे उन वायरल क्लिप्स को नजरअंदाज कर देते हैं जिनमें नीतीश नरेंद्र मोदी को अटल बिहारी वाजपेयी समझ रहे हैं या किसी अधिकारी के सिर पर गमला रख रहे हैं।

विरोधी तो प्रचार करेगा ना । नीतीश जी पूरे फिट हैं , वे जवाब देते हैं, जिससे रुस्तमपुर में उनके यादव साथी गाँव वालों की भौंहें तन जाती हैं। यहाँ के यादव बिहार के अगली पीढ़ी के नेता के रूप में युवा तेजस्वी का पूरे जोश से समर्थन करते हैं। लेकिन हरलाल अड़े रहते हैं: बिहार में जेडीयू के बिना कोई सरकार नहीं बन सकती।

राजद नेता और विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी ने भी अनजाने में जदयू के पारंपरिक समर्थकों में बेचैनी पैदा कर दी है। उन्होंने शाह के बयान का बार-बार ज़िक्र करके भाजपा पर उनके चाचा नीतीश को दरकिनार करने की साज़िश रचने का आरोप लगाया, जिससे मुख्यमंत्री के प्रति सहानुभूति पैदा हुई। विपक्ष के चुनावी चेहरे तेजस्वी लगभग हर रैली में भीड़ से कहते रहे हैं, यह नीतीश जी का आखिरी चुनाव है। अमित शाह खुद कह चुके हैं कि उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा। 1994 में लालू प्रसाद से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने वाले नीतीश को कभी भी अपने दम पर बहुमत नहीं मिला। फिर भी, 2005 में राजद विरोधी लहर पर सवार होकर सत्ता में आने के बाद से, उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि बिहार में उनके बिना कोई भी सरकार नहीं बन सकती। शुरूआत में अपने ओबीसी कुर्मी समुदाय के बमुश्किल 3 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के रूप में देखे जाने वाले नीतीश ने व्यापक ओबीसी और दलित वोट बैंक को विभाजित करने के लिए चतुराईपूर्ण सोशल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल किया और लगभग 12-15 प्रतिशत का एक विश्वसनीय आधार तैयार किया। उन्होंने इस मूल समर्थन का इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार गठबंधन बदलने और बदलते गठबंधनों के बावजूद मुख्यमंत्री की कुर्सी बरकरार रखने के लिए किया है।

2020 के विधानसभा चुनावों में, उनकी पार्टी जेडीयू लगभग पूरी तरह से हार गई थी, 243 में से केवल 43 सीटें जीत पाई, जबकि भाजपा 74 सीटों पर पहुँच गई। फिर भी, इस डर से कि नीतीश राजद में शामिल हो सकते हैं–जो 75 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी–भाजपा उन्हें मुख्यमंत्री पद पर बनाए रखने पर सहमत हो गई। यह डर तब जायज साबित हुआ जब 2022 में, नीतीश ने भाजपा से नाता तोड़कर राजद के साथ गठबंधन कर लिया और भगवा पार्टी पर अपने संगठन को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व- क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के राजनीतिक गलियारों में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा जिसमुद्दे पर हो रही है,वह है अमेरिका का 33 वर्षों के बाद पुनः परमाणु परीक्षण शुरू करने का आदेश। जिस देश ने दशकों तक पूरी दुनियाँ को परमाणु हथियारों से दूर रहने की नसीहत दी,आज वही देश फिर से न्यूक्लियर बमों की गूंज सुनना चाहता है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिकी सेना को परमाणु परीक्षण तुरंत शुरू करने का आदेश देने के बाद वैश्विक समुदाय में एक प्रकार की हलचल मच गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूंकि रूस से लेकर चीन,उत्तर कोरिया से लेकर ईरानतक हर देश की निगाह अब वॉशिंगटन की ओर है। सवाल यह है कि क्या यह कदम दुनियाँ को एक बार फिर से 'न्यूक्लियर रेस' में धकेल देगा? दुनियाँ यह देख रही है कि अमेरिका का दोहरा मापदंड दूसरों को रोको, खुद करो नीति का परिणाम क्या निकलेगा, अमेरिका दशकों से वैश्विक राजनीति में 'न्यूक्लियर नैतिकता' का सारथी बनकर बैठा रहा है। उसने हमेशा अन्य देशों पर परमाणु हथियार न बनाने का दबाव बनाया। चाहे वह ईरान हो, उत्तर कोरिया हो या कभी भारत,अमेरिकी नीतियों ने हमेशा यह कहा कि परमाणु हथियार मानवता के लिए खतरा हैं।लेकिन अब वही अमेरिका,जो खुद को ग्लोबल पीस कीपर कहता है, नए परीक्षणों के आदेश जारी कर चुका है। यह कदम न केवल उसकी विदेश नीति की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि उसके डबल स्टैंडर्ड की अंदरुनी नीति भी ओपन करता है।अमेरिका की यह नीति इतिहास में कई बार देखी जा चुकी है,जब वह अंतरराष्ट्रीय संधियों से खुद को अलग कर लेता है और दूसरों पर उसका पालन थोपताहै, उदाहरण के लिए, ट्रंप प्रशासन ने 2018 में ईरान न्यूक्लियर डील से बाहर निकलकर वैश्विक स्थिरता को बड़ा झटका दिया था। आज 2025 में, वही नीति एक नए रूप में फिर लौट आई है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग सेइस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,33 वर्षों बाद अमेरिका के परमाणु परीक्षण आदेश से कांपा विश्व-क्या शुरू होगी नई न्यूक्लियर रेस?

साथियों बात अगर हम 33 वर्षों के बाद क्यों? ट्रंप की सामरिक रणनीति के संकेत को समझने की करें तो,यह सवाल सबसे अहम है कि आखिर अमेरिका ने अब ऐसा कदम क्यों उठाया? आखिरी बार अमेरिका ने 1992 में नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया था। उसके बाद उसने अंतरराष्ट्रीय दबाव और कंप्रीहेंसिव न्यूक्लियर टेस्ट बैन ट्रीटी के तहत परीक्षण रोक दिए थे। लेकिन अब ट्रंप का यह आदेश बताता है कि वाशिंगटन का इरादा वैश्विक सैन्य वर्चस्व को दोबारा स्थापित करने का है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, चीन और रूस की तेजी से बढ़ती परमाणु क्षमता ने ट्रंप प्रशासन को यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। रूस ने अपने हाइपरसोनिक न्यूक्लियर मिसाइल 'एवंगार्ड' और 'सरमाट' की घोषणा कर दी है, जबकि चीन भी 'डोंगफेंग-41' जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों का परीक्षण कर चुका है। ट्रंप शायद यह दिखाना चाहते हैं कि अमेरिका अब भी 'मिलिट्री टेक्नोलॉजी' में सर्वश्रेष्ठ है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक प्रतिक्रिया,रूस का जवाब और दुनिया की चिंता को समझने की करें तो,जैसे ही अमेरिका के परमाणु परीक्षण के आदेश की खबर फैली, सबसे पहले रूस ने इसका कड़ा जवाब दिया। रूसी विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट कहा कि यदि अमेरिका परीक्षण शुरू करता है,तो रूस भी तुरंत जवाबी परमाणु परीक्षण करेगा। यह बयान सीधे संकेत देता है कि दुनियाँ फिर से कूल्ड वॉर जैसे दौर की ओर बढ़ सकती है।रूस की इस प्रतिक्रिया के बाद चीन ने भी अपनी सैन्य प्रयोगशालाओं में सुरक्षा और क्षमता वृद्धि के नाम पर तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, यूरोप के देशों,विशेषकर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने संयुक्त बयान? जारी कर कहा कि यह फैसला वैश्विक स्थिरता के लिए घातक साबित हो सकता है।संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने भी गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि '33 वर्षों की शांति को तोड़ने वाला यह कदम, दुनियाँ को एक और हथियारों की दौड़ में झोंक सकता है।'

साथियों बात अगर हमन्यूक्लियर रेस,क्या इतिहास खुद को दोहरा रहा है? को समझने की करें तो,यदि हम इतिहास पर नजर डालें तो यह समझना कठिन नहीं कि हर बार जब किसी शक्ति ने अपने हथियारों की ताकत दिखाने की कोशिश की है, तो उसका परिणाम वैश्विक अस्थिरता के रूप में सामने आया है।1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिका द्वारा किए गए दो बम विस्फोटों ने मानव सभ्यता की दिशा ही बदल दी थी। उसके बाद 1945 से अब तक लगभग 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण दुनिया भर में किए गए हैं।इनमें से आधे से अधिक परीक्षण अमेरिकाने अकेले किए,आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका ने करीब 1,030 परमाणु परीक्षण, रूस (पूर्व सोवियत संघ) ने 715, फ्रांस ने 210, चीन ने 45, ब्रिटेन ने 45, भारत ने 6, पाकिस्तान ने 6, और उत्तर कोरिया ने 6 परीक्षण किए हैं। यह सूची बताती है कि परमाणु शक्ति केवल रक्षा का माध्यम नहीं रही, बल्कि यह देशों के राजनीतिक दबाव और वैश्विक पहचान का उपकरण बन चुकी है।

साथियों बात अगर हम भारत की स्थिति,संयमित शक्ति, जिम्मेदार नीति को समझने की करें तो, भारत का नाम जब भी परमाणु शक्ति वाले देशों में लिया जाता है, तो एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में लिया जाता है। भारत ने कभी भी 'पहले इस्तेमाल' की नीति नहीं अपनाई। उसने केवल 'नों फर्स्ट यूज पालिसी' के सिद्धांत पर चलते हुए कहा कि परमाणु हथियार केवल 'रक्षा' के लिए हैं, 'आक्रमण' के लिए नहीं। भारत ने अब तक केवल दो बार परमाणु परीक्षण किए(1)1974 में स्माइलिंग बुद्धा नाम से, जब इंदिरा गांधी सरकार ने दुनियाँ को भारत की क्षमता दिखाई (2) 1998 में 'पोखरण-II' परीक्षण, जब भारत ने आधिकारिक रूप से खुद को परमाणु शक्ति घोषित किया। इसके बाद भारत ने किसी भी प्रकार का नया परीक्षण नहीं किया है।बल्कि, उसने सीटीबीटी पर हस्ताक्षर न करने के बावजूद उसका 'स्वैच्छिक पालन' जारी रखा है। 2017 के बाद से, जब उत्तर कोरिया ने अपना आखिरी परीक्षण किया था, तब से लेकर अब तक किसी देश ने कोई नया परमाणु परीक्षण नहीं किया। इस दृष्टि से भारत की नीति अत्यंत संतुलित मानी जाती है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय समझौते और उनका भविष्य को समझने की करें तो,अमेरिका का यह कदम न केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति को झकझोरता है, बल्कि दशकों से चले आ रहे परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों पर भी प्रश्नचिह्न लगा देता है। (1)कंप्रेहेंसिव नुक्लियर टेस्ट बैन ट्रिटी (सीटीबीटी)-यह संधि 1996 में तैयार हुई थी, जिसका उद्देश्य विश्व में सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों को रोकना था। अमेरिका ने इसे साइन तो किया, लेकिन कभी रैटिफाई नहीं किया।(2)नॉन - प्रॉलीफेरेशन ट्रिटी (एनपीटी) - 1970 में लागू हुई इस संधि के तहत देशों को परमाणु हथियार न फैलाने की जिम्मेदारी दी गई। अमेरिका इसका बड़ा समर्थक रहा है, पर अब वही नियम तोड़ रहा है।(3)स्टार्ट (स्ट्रेटेजीकआर्म्स रिडक्शन ट्रिटी)- अमेरिका और रूस के बीच हुआ यह समझौता हथियारों की संख्या घटाने के लिए था, लेकिन अब दोनों ही देश इस संधि को लगभग निष्क्रिय बना चुके हैं, अमेरिका का ताजा फैसला इन संधियों के लिए 'मौत की घंटी' साबित हो सकता है।

साथियों बात अगर हम विश्व के लिए संभावित खतरे, शांति से युद्ध की ओर? को समझने की करें तो,अगर अमेरिका ने वाकई में अपने परमाणु परीक्षण फिर शुरू

ऐतिहासिक विजय: भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रचा विश्व कप का नया इतिहास

आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के स्वर्णाक्षरों में सदैव अंकित रहेगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ष 2025 का क्रिकेट विश्व कप जीत लिया है। यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उस अदम्य जज्बे, संकल्प और संघर्ष का प्रतीक है जिसने वर्षों से भारतीय बेटियों को खेल के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। यह क्षण हर भारतीय के लिए गर्व, उत्साह और प्रेरणा का है-क्योंकि यह सिर्फ.मैदान की जीत नहीं, बल्कि मानसिकता की भी जीत है।

भारतीय महिला क्रिकेट का यह गौरवशाली अध्याय उस लंबे सफर का परिणाम है, जो संघर्ष, सीमित संसाधनों और सामाजिक बाधाओं के बीच शुरू हुआ था। एक समय ऐसा भी था जब महिला क्रिकेट को गम्भीरता से नहीं लिया जाता था, न दर्शक होते थे, न प्रायोजक। लेकिन समय बदला, और इन बेटियों ने अपने खेल, समर्पण और प्रतिभा के बल पर पूरी दुनिया को दिखा दिया कि खेल का मैदान किसी एक लिंग की बपौती नहीं है। आज जब भारत विश्व कप जीतकर विश्व का सिरमौर बना है, तो यह जीत हर उस बेटी की आवाज है जिसने अपने सपनों को समाज की बंदिशों से ऊपर रखा।

विश्व कप के इस रोमांचक फाइनल में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 298 रन बनाए। पारी की शुरूआत शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने की। स्मृति ने संयमित लेकिन महत्वपूर्ण 45 रन बनाकर टीम को मजबूत आधार दिया, जबकि शेफाली वर्मा ने आक्रामक शैली में खेलते हुए 78 गेंदों में 87 रन ठोके। उनकी पारी में चौके-छक्कों की झड़ी लगी रही। कप्तान हरमनप्रीत कौर इस बार जल्दी आउट हो गईं, लेकिन युवा बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रनों की अहम पारी खेली और टीम को एक बार फिर स्थिरता दी। मिडिल ऑर्डर में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को लगभग 300 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुँचाया।

दक्षिण अफ्रीका की टीम जब लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो शुरूआती ओवरों में उसने तेज शुरूआत की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने जल्द ही अपनी पकड़ बना ली। रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने सटीक लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को बांधे रखा। शेफाली वर्मा ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया-उन्होंने 7 ओवर में मात्र 36 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनका हरफनमौला प्रदर्शन भारतीय जीत की रीढ़ साबित हुआ। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, दक्षिण अफ्रीका पर दबाव बढ़ता गया और अंततः भारतीय टीम ने जीत के साथ इतिहास रच दिया। शेफाली वर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का सम्मान मिला।

यह जीत केवल एक खेल प्रतियोगिता की विजय नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक परिवर्तन का प्रतीक है जो भारत में महिलाओं की स्थिति और दृष्टिकोण को लेकर हो रहा है। कभी जिन बेटियों को कहा जाता था कि 'खेल लड़कियों का काम नहीं', वही आज विश्व चैंपियन बनी खड़ी हैं। इस जीत ने समाज को यह संदेश दिया है कि अगर अवसर मिले तो भारतीय महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं। आज ये खिलाड़ी सिर्फ.खेल नहीं रही हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नया रास्ता तैयार कर रही हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का यह गौरवशाली प्रदर्शन वर्षों के परिश्रम का परिणाम है। महिला आईपीएल (डब्लूपीएल) ने खिलाड़ियों को मंच और आत्मविश्वास दोनों दिया। छोटे शहरों और कस्बों से आने वाली खिलाड़ी जैसे कि प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, स्नेह राणा, राधा यादव और रेणुका ठाकुर ने दिखा दिया कि प्रतिभा किसी भौगोलिक सीमा की मोहताज नहीं होती। इन खिलाड़ियों ने न केवल मैदान में बल्कि देश के हर घर में प्रेरणा की नई कहानी लिख दी है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और खेल मंत्रालय ने पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट को लेकर जो नीतिगत बदलाव किए हैं, वे इस सफलता की बुनियाद बने। समान वेतन नीति ने खिलाड़ियों को आत्म-सम्मान दिया, जबकि बेहतर कोचिंग सुविधाएँ और घरेलू टूर्नामेंट्स ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया। यह देखना सुखद है कि अब महिला क्रिकेट को भी वही सम्मान और प्रसारण मिल रहा है जो पुरुष टीम को मिलता है। यह जीत इस दिशा में एक और सशक्त कदम है।

आज इस विजय के साथ भारत के सामने नई जिम्मेदारी भी आई है। अब यह सुनिश्चित करना होगा कि यह उत्साह और समर्थन केवल कुछ दिनों तक सीमित न रहे। जरूरत है कि स्कूल स्तर से लेकर विश्वविद्यालय तक खेलों को शिक्षा का हिस्सा बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लड़कियाँ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित हों। खेल मंत्रालय और राज्य सरकारों को ग्रामीण इलाकों में खेल प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ानी चाहिए, जहाँ संसाधन और प्रशिक्षक दोनों उपलब्ध हों।

मीडिया की भी बड़ी भूमिका है। महिला क्रिकेट को निरंतर प्रमुखता देना, खिलाड़ियों की कहानियों को सामने लाना, और समाज में इस भावना को मजबूत करना कि यह केवल खेल नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का माध्यम है-यही अब आने वाले समय की सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस जीत के पीछे अनेक अनकही कहानियाँ हैं-वह माँ जो अपनी बेटी के लिए समाज की परवाह किए बिना बैट खरीदती है, वह पिता जो खेत बेचकर क्रिकेट किट दिलाता है, वह कोच जो बिना वेतन के खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करता है, और वे साथी खिलाड़ी जो रिजर्व में रहकर भी हर समय टीम के साथ खड़ी रहती हैं। यह जीत केवल मैदान पर खेलने वाली 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की जीत है जो वर्षों से इस क्षण की प्रतीक्षा कर रहे थे।

भारत की विजेता महिला क्रिकेट टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतीका रावल, हरलीन देओल, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरनी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ शामिल थीं। रिजर्व खिलाड़ियों में तेजल हसबनिस, प्रेमा रावत, प्रिया मिश्रा, मिन्नू मणि और सयाली सतघरे थीं, जिनका योगदान भी कम नहीं था। वे भले ही मैदान पर नहीं उतरीं, लेकिन टीम की तैयारी और एकता में उनकी भूमिका अहम रही।

इस विश्व कप ने भारतीय महिला क्रिकेट को विश्व पटल पर स्थायी पहचान दिलाई है। यह अब किसी एक पीढ़ी की उपलब्धि नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन है। भारत की बेटियाँ अब विश्व की नई मिसाल हैं-वे केवल खिलाड़ियों के रूप में नहीं, बल्कि उस शक्ति के प्रतीक हैं जो हार को भी प्रेरणा में बदल देती है।

आज जब पूरी दुनिया भारतीय टीम की इस उपलब्धि को सलाम कर रही है, तब यह पल हमें यह सोचने पर भी मजबूर करता है कि असली जीत तब होगी जब हर गाँव, हर स्कूल में कोई न कोई बेटी बैट थामकर मैदान में उतरे और यह कहे-ह्लमैं भी भारत की तरह जीतना चाहती हूँ। ह्व इस ऐतिहासिक जीत ने यह सिद्ध कर दिया है कि ह्लजहाँ इच्छा, वहाँ राहह्व कोई कहावत मात्र नहीं, बल्कि भारत की बेटियों की हकीकत है। यह जीत केवल 11 खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि पूरे भारत की जीत है-उन परिवारों की जिन्होंने अपनी बेटियों को सपने देखने की आजादी दी; उन कोचों की जिन्होंने सीमित संसाधनों में भी प्रतिभा को निखारा; और उन दर्शकों की जिन्होंने हर गेंद पर टीम का हौसला बढ़ाया। 2025 का यह वर्ष भारतीय खेलों के लिए स्वर्णिम वर्ष के रूप में दर्ज होगा। भारत की बेटियाँ अब सिर्फ.इतिहास नहीं, भविष्य लिख रही हैं। उनकी यह विजय हर भारतीय के दिल में गर्व, प्रेरणा और उम्मीद की लौ जगा रही है।

शालीन व्यवहार, सतर्कता और समन्वय के साथ ड्यूटी करें सभी पुलिसकर्मी:- अमित कुमार आनंद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक द्वारा तिगरी मेला-2025 को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु मेला स्थल, गंगा घाटों, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मेला पुलिस कोतवाली, पार्किंग स्थलों, ड्रोन निगरानी प्रणाली, यातायात व्यवस्था का निरीक्षण कर सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा तिगरी मेला-2025 को शांतिपूर्ण एवं सकुशल रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गंगा घाटों, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मेला पुलिस कोतवाली, पार्किंग स्थलों, ड्रोन निगरानी प्रणाली, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन का बारीकी से

जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक द्वारा सीसीटीवी कंट्रोल रूम में जाकर निगरानी व्यवस्था का निरीक्षण किया गया तथा वहां तैनात पुलिसकर्मियों को कैमरों के माध्यम से भीड़ की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने, संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बन सके। पुलिस अधीक्षक ने यातायात व्यवस्था का भी स्वयं मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य मार्गों,

बैरियरों, प्रवेश एवं निकास मार्गों पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को यातायात में किसी प्रकार की असुविधा न हो । सभी पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे शालीन व्यवहार, सतर्कता और समन्वय के साथ ड्यूटी करें तथा आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी निर्देश दिया कि सभी अधिकारी व कर्मचारी सामंजस्य, सतर्कता एवं समर्पण की भावना से कार्य करते हुए तिगरी मेला-2025 को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सकुशल रूप से सम्पन्न कराएं।

संभल पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त किया गिरफ्तार

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना असमोली पुलिस ने सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने NDPS एक्ट के एक वारंटी अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान मौ० रफी पुत्र यामीन, निवासी ग्राम ओबरी, थाना असमोली, जनपद सम्भल के रूप में हुई है। उसके खिलाफ NDPS एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज था। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक रोहित मलिक, जिनके साथ

कांस्टेबल राणा और कांस्टेबल कपिल कुमार शामिल थे। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर अभियुक्त को उसके घर से दबोच लिया। एसपी कृष्ण कुमार ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकताओं के द्वारा की गई गोष्ठी, केक काटकर मनाया गया जन्मदिन

ढवारसी/ अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ग्राम जिहल में राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के तत्वावधान में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल रविंद्र सिंह पटेल का जन्मदिन केक काटकर बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चौधरी सरजीत सिंह, पूर्व जज एवं मंडल अध्यक्ष राष्ट्रीय लोकदल रहे।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि रविंद्र सिंह पटेल ने संगठन को नई दिशा दी है और युवाओं के भीतर संघर्ष और सेवा का जज्बा जगाया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत

चौधरी का गन्ने का मूल्य ड्ड400 प्रति क्विंटल किए जाने के लिए आभार व्यक्त किया और इसे किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम बताया। इरकान अली, जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा ने अपने उद्बोधन में कहा कि रविंद्र सिंह पटेल संगठन के सशक्त स्तंभ हैं, जो युवाओं के बीच नई ऊर्जा और एकता के प्रतीक बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा ही किसान, मजदूर और नौजवान की सच्ची आवाज है, जिसे हर गांव तक पहुंचाना हमारा संकल्प है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमरुद्दीन चौधरी ने की तथा संचालन इरकान अली, जिलाध्यक्ष युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा ने किया। इस अवसर पर शहनवाज चौधरी, जावेद चौधरी, कमरुद्दीन चौधरी, पप्पू चौधरी, कल्लन चौधरी, इकबाल चौधरी, रईस अहमद, इफ्तेखार अली, बांके सिंह चौहान, बलबीर सिंह शर्मा, यतेन्द्र सिंह, बलवीर सिंह, कामेन्द्र सिंह, राशिद अली सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में सभी कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि राष्ट्रीय लोकदल ही किसानों, मजदूरों और युवाओं की सच्ची आवाज है, जिसे और बुलंद करना हमारा कर्तव्य है।

नजर सरकार वारिस पाक, सूफियाना कलाम से गूंजा शहर, अमन-शांति व भाईचारे का संदेश

संभल(सब का सपना):- सरदार वारिस पाक आलम पनाह के वार्षिक जश्न के उपलक्ष मे इस बार नज़्र सरकार वारिस पाक का आयोजन परम्परागत तरीके से किया गया। अमन शांति और भाईचारे के लिए दुआ करते हुए आपसी सौहार्द का पैगाम दिया गया। नगर के मौहल्ला कोट गर्बी स्थित वारसी हाउस मे विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी मशहूर सूफी संत दरगाह देवा शरीफ बाराबंकी, हजरत सैयद सरकार वारिस पाक आलम पनाह, आलम नवाज की शान मे हर वर्ष मनाये जाने वाले जश्ने वारिस पाक को इस बार देवा शरीफ दरगाह के हुकूम के मुताबिक नज़्र सरकार वारिस पाक के तौर पर परम्परागत तरीके से आयोजित किया गया। जिसमे मुकद्दस किताब की तिलावत हुई और महफिले मिलाद पाक, नातो मनकबत और मौला ए कायनात की नज़्र व रात बाद नमाज ईशा ज़िके पंजतन पाक किया गया। इसके बाद महफिले समा का आगाज अकरम शान वारसी कव्वाल ने मन कुन्तो अली मौला के कॉल को पेश करते हुए सरकार पाक की शान मे सूफियाना कलाम पेश किए और सबको झूमने पर मजबूर कर दिया।

अंत मे रंग पढ़ा गया और सरकार की नज़्र पेश करते हुए मुल्क व शहर मे अमन शांति को दुआ की गई। आपसी सौहार्द कायम रखने पर बल देते हुए मौहब्बत का पैगाम दिया। परवेज वारसी ने बोलते हुए कहा कि आपसी भाईचारा और मौहब्बत का पैगाम जो सरकार आलम पनाह वारिसे पाक ने दिया था कि सुना सुना मौहब्बत करो, इस पैगाम को हमे लोगों तक पहुंचाने की जरूरत है। अंत मे सभी को तर्बरूक तकसीम किया गया और मेहमानों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम आयोजन हाजी मौहम्मद नसीम वारसी ने सभी का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम मे सूफी साबिर हुसैन, हुसैन शाह, नूर शाह, चौधरी मुदब्बिर, इस्लाम साबरी, अकरम पहलवान वारसी, मुशर्रफ अली कादरी, हकीम बुरहान सम्भली, सुल्तान वारसी, फरजन्द अली वारसी, मुदस्सिर वारसी, फुरकान वारसी, मोहसिन कादरी, रेहान वारसी, सुहैल वारसी, शकील अहमद वारसी, तंजीम वारसी, कामिल वारसी, ताहिर हुसैन, कारी जाकिर, सीधे भईये, आदि मौजूद रहे।

इग्नू अध्ययन केन्द्र में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का हुआ परिचय समारोह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुशीनगर स्थित 27128 इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) अध्ययन केन्द्र में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए परिचय समारोह का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर विनोद मोहन मिश्र ने कहा कि इग्नू के माध्यम से दूरस्थ शिक्षा नौकरी पेशा वाले लोगों और प्रतियोगी परीक्षाओं के विद्यार्थियों दोनों के लिए वरदान है। इग्नू की अध्ययन सामग्री वैज्ञानिक पद्धति से बनाई जाती है जो विषय को बोधगम्य स्वरूप में इस प्रकार से प्रस्तुत करती है कि व्यक्ति बिना किसी की सहायता के भी विषय को समझ सके। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी कारण से संस्थाओं में

नियमित विद्यार्थी के रूप में अध्ययन करने में अक्षम हैं उनके लिए यह सबसे अच्छा विकल्प है। इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक और हिंदी के आचार्य प्रोफेसर गौरव तिवारी ने कहा कि इग्नू दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है। इसमें लगभग तीन दर्जन देशों के 40 लाख विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इसके इस विस्तार का कारण इसका लचीलापन है। यह विश्वविद्यालय "शिक्षा आपके द्वार" की संकलना से कार्य करता है इसी लिए इसे जन जन का विश्वविद्यालय कहा जाता है। डॉ० गौरव ने आगे बताया कि इग्नू में स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षाओं का स्वरूप अभी भी वार्षिक ही है। इसलिए विद्यार्थियों को वर्ष पर्यंत परीक्षाओं के लिए तैयारी नहीं करनी पड़ती। वर्ष में दो बार जनवरी और जुलाई में प्रवेश और दिसंबर और जून में परीक्षाएं होती हैं। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय स्थित अध्ययन केंद्र पर स्नातक और स्नातकोत्तर के साथ साथ डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों भी हैं।बीएड के अध्यक्ष डॉ निगम मौर्य ने कहा कि इग्नू की साख प्रतियोगी परीक्षार्थियों में उसके उच्च गुणवत्ता वाले अध्ययन सामग्री के कारण है। डॉ पंकज दुबे ने कहा कि इग्नू के माध्यम से अपना प्रमोशन चाहने वालों और अपनी ज्ञान पिपासा पूरी करने की इच्छा रखने वालों, दोनों के आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। डॉ यज्ञेश नाथ त्रिपाठी ने कहा कि इंटरमीडिएट तक की शिक्षा में अध्ययन सामग्री का जो मानक एनसीआरटी रखती है उच्च शिक्षा में वही मानक इग्नू का है। दोनों का कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम में इग्नू के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के अतिरिक्त आकाश शर्मा, विनीत शुक्ल, अविनाश और राजकिशोर उपस्थित रहे।

स्कूलों व चौराहों पर यातायात पुलिस द्वारा जन जागरूकता अभियान किया गया संचालित

पंपलेट वितरित कर दिया गया संदेश

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार एवं प्रभारी यातायात के नेतृत्व में यातायात माह नवंबर के अवसर पर स्कूलों व चौराहों पर यातायात पुलिस द्वारा एक व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस सम्भल की टीम ने सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज संभल, एसएम चिड्डन ऐकेडमी सम्भल, टांडा-सिसौना मेले व जनपद में विभिन्न स्थानों पर राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ दीं। स्कूलों में बच्चों व मुख्य स्थानों व चौराहों पर लोगों को यह समझाया गया कि

थोड़ी सी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन करना न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि जीवन की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी भी है। इस मौके पर यातायात पुलिस ने लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित प्रयोग करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, तथा मोबाइल फोन का प्रयोग वाहन चलाते समय न करने की सख्त सलाह दी। पैदल यात्रियों को सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक संकेतों और निर्धारित मार्गों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पंपलेट वितरित कर यह संदेश दिया गया ।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट किये गये वितरित

विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से कराया गया अवगत

संभल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही ह्लमिशन शक्ति 5.0ह्व अभियान के

अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की

योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्वकप जीतने पर मनाया जश्न

चंदौसी/सम्भल (सब का सपना) :- अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में भारतीय महिला क्रिकेट टीम द्वारा विश्व कप जीतने की खुशी में फुब्बारा चौक पर सैकड़ों क्रिकेट प्रेमियों ने आतिशबाजी, मिष्ठान और भारत माता की जय के नारों के साथ जश्न मनाया। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि देश की भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने ऐतिहासिक जीत हासिल करके बता दिया है कि भारत विश्व का उभरता हुआ देश है।जिसमे हर प्रकार की प्रतिभाएं निवास करती है।उनकी जीत हर नारी को प्रेरणा प्रदान करेगी। जिलाध्यक्ष सागर गुप्ता ने कहा भारत की बेटियों ने देश के 140 करोड़ नागरिकों का सीना चौड़ा कर दिया है।हमे उन पर गर्व है।कहा भारत को विश्व को दिलाने के लिए भारतीय टीम की

जितने तारीफ की जाए कम है।उनके जज्बे को सैल्यूट है। समाजसेवी डॉ टीएस पाल ने कहा कि भारत की बेटियां हर खेल में भारत का नाम रोशन कर रहीं हैं।उनकी कढ़ी मेहनत और लगन में लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बार-बार बधाई। प्रदेश मंत्री शाह आलम मंसूरी ने कहा भारत की खिलाड़ियों ने जिस जोश और जज्बे से बिश्वकप जीता वो तारीफे काबिल है उसी जश्न आज पूरा देश मना रहा है। इस दौरान नगर महामंत्री एड.शुभम अग्रवाल, अभिनव शर्मा, योगेश गोल्डन, आकाश आहूजा, आशा गोस्वामी, प्रतिभा चौधरी, डॉली शर्मा, आभा रानी, मोनिका वार्ष्णेय, तुषार क्रिस्टल, प्रीति शर्मा, सीमा अग्रवाल, आरती सिंह, शालू, विक्रांत लाल, मोहित, हिमांशु, मेधांश गोल्डन आदि उपस्थित रहे

10 साल बाद फिर यादव हत्याकांड में बाहुबली जेल में

दोनों बार अनंत सिंह को भूमिहार SSP ने ही किया गिरफ्तार

पटना। शनिवार देर रात मोकामा से जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह को पुलिस ने दुलारचंद यादव हत्याकांड में गिरफ्तार किया। 10 साल में 2 विधानसभा चुनाव से पहले मोकामा में 2 यादव की हत्या हुई। दोनों बार अनंत सिंह जेल गए। खास बात यह कि दोनों बार उन्हें गिरफ्तार करने वाले पुलिस अधिकारी भूमिहार थे। अनंत सिंह इसी बिरादरी से हैं। 30 अक्टूबर को हुई दुलारचंद यादव की हत्या ने लोगों के जेहन में पुटुस हत्याकांड की यादें ताजा कर दीं। 18 जून 2015 को बाढ़ के लदमा गांव में 20-21 साल के पुटुस की लाश मिली थी। शव की हालत ऐसी थी कि देखने वाले दहल गए। उंगलियों से नाखून उखाड़ लिए गए। पीटने के जख्म। मोकामा एक बार फिर खूनी राजनीति की गवाह बना है। लालू यादव के खास आदमी माने जाने वाले 76 साल के दुलारचंद यादव को 30 अक्टूबर को चुनाव प्रचार के दौरान मार दिया गया। यह घटना ठीक वही माहौल लेकर आया है, जो 10 साल पहले, 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पुटुस यादव की हत्या के बाद बना था। पुटुस यादव की हत्या छेड़खानी विवाद के बाद हुई थी। 17 जून को बाढ़ के कॉलेज मोड़ के पास महिला के साथ गलत हरकत को लेकर युवकों के दो गुटों के बीच मारपीट हुई थी। बाद में पुटुस यादव, प्रदीप, सोनू और बबलू को अगवा कर लिया गया। प्रदीप, सोनू और बबलू तो बच गए, लेकिन पुटुस नहीं। दूसरे दिन 18 जून को लदमा गांव के पास खेत में उसकी लाश मिली। आरोप था कि अनंत के इशारे पर उनके गुर्गों ने पुटुस और 3 अन्य युवकों को उठाया। अनंत सिंह के घर में उन्हें यातना दी गई। दुलारचंद ने अनंत सिंह की पत्नी को कहा था नाचने वाली दुलारचंद ने हत्या से 2 दिन पहले अनंत सिंह की पत्नी के लिए आपत्तिजनक बातें कहीं थीं। उन्होंने कहा था, ह्यवो नीलम देवी नहीं नीलम खातून है। चुनाव लड़ रही थी तो लोग दरी लेकर दौड़ रहे थे। कह रहे थे कि नाचने वाली आई है। अनंत सिंह ने उसे रख लिया। दोनों की कोई शादी हुई थी? नीलम देवी भूमिहार थोड़े ही है। दोनों बार अनंत सिंह की गिरफ्तारी में दिखी एक समान बात पुटुस यादव हत्याकांड में 24 जून 2015 को पटना के नवनियुक्त एसएसपी विकास वैभव ने अनंत सिंह को गिरफ्तार किया था। उन्हें अरेस्ट करने के लिए 500 पुलिस के जवान, दंगा विरोधी वाहन, डॉग स्क्वायड और फोरेंसिक टीम भेजी गई थी। उनके घर से खून लगे कपड़े, हथियार, पत्रिकाएं और अन्य सामान बरामद किए गए। 1 नवंबर 2025 की रात जब अनंत सिंह को गिरफ्तार किया गया। करीब 150 पुलिस के जवानों के साथ पटना ररढ कार्तिकेय शर्मा बाढ़ थाना क्षेत्र के बेढ़ना में कारगिल चौक स्थित अनंत सिंह के घर पहुंचे। दोनों बार अनंत को गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी भूमिहार पुलिस अधिकारी ने निभाई। लालू यादव ने कहा था- ह्यएगो छोटा सा है, मोकामा वाला पुटुस यादव की हत्या के समय 2015 में लालू यादव और नीतीश कुमार साथ थे। मोकामा के छोटे सरकार कहे जाने वाले विधायक अनंत सिंह पर आरोप थे। लालू का गुस्सा तब आसमान छूने लगा था। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा था...एगो छोटा सा है, मोकामा वाला। हूं..नाम सुना है, उसे जेल में भिजवाए हमलोग, सबलोग। एगो यादव को पकड़के ले आके मार-मार के, नाखून नोच-नोच के जान मार दिया। उसका नाम है अनंत सिंह। यादव रोते-रोते आया कहा कि नोच-नोच के मारदेलकई। नीतीश कुमार को हमने कहा तब गिरफ्तार हुआ अनंत सिंह।लालू ने फेसबुक पर लिखा थाः 'दूध का दूध और पानी का पानी'2015 में पुटुस की हत्या के बाद उसके पिता कपिलदेव यादव लालू से मिले थे। इसके बाद राजद प्रमुख ने फेसबुक पर लिखा...दो रोज पहले बाढ़ में विनय उर्फ पुटुस यादव की हत्या के संबंध में उनके पिता कपिलदेव यादव मुझसे मिलने आये। मैंने पूरा घटनाक्रम बारीकी से जाना। पीड़ित परिवार से वादा किया कि लालू इस केस का दूध का दूध और पानी का पानी करेगा। दोषियों को किसी भी सूरत में बचने नहीं दूंगा, चाहे उसके कितने भी लंबे हाथ हो। पप्पू यादव ने कहा था- जो हमारे बच्चों को मारते हैं हम उन्हें टिकट देते हैं पुटुस हत्याकांड के बाद पप्पू यादव ने कहा था, ह्यसभी ऐसे ही लोगों को टिकट देंगे। हर घटना में एक की नाम क्यों आता है। स्पीडी ट्रायल चला कर फांसी की सजा हो। पहले ही फांसी हो जाती, लेकिन पुटुस यादव हत्याकांड के बाद हमारे ही लोगों ने पैसे लेकर कंप्रोमाइज कर लिया। जो हमारे बच्चों को मारते हैं हम उनको ही टिकट देते हैं, वोट देते हैं और जिताते हैं। 2015 में लालू ने लिया जेल भेजने का क्रेडिट, 2020 में दिया राजद का टिकट अनंत सिंह को लेकर राजद प्रमुख लालू यादव ने जिस तरह का स्टैंड अब तक लिया है। इससे वे खुद सवालों में हैं। जेल जाने के बाद भी अनंत सिंह 2015 का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत गए थे। जिस लालू यादव ने अनंत सिंह को जेल भेजने का क्रेडिट लिया, उन्होंने ही उन्हें 2020 के विधानसभा चुनाव के समय राजद का टिकट दे दिया। अनंत सिंह 35,757 वोटों के अंतर से जीत गए। पुटुस केस में समझौता हुआ। अनंत सिंह का आपराधिक रिकॉर्डः 53 मामलों का सफर 2025 में अनंत सिंह द्वारा दिए गए एफिडेविट के अनुसार उनके खिलाफ 28 आपराधिक मामले दर्ज थे। दुलारचंद हत्याकांड को जोड़ दें तो यह संख्या 29 हो जाती है। हालांकि, पटना हाईकोर्ट के आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, अनंत सिंह के खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या 53 है। 16 अगस्त 2019 को पटना जिले के लदमा गांव में अनंत सिंह के पैतृक घर पर छापेमारी हुई। पुलिस ने एक अङ-47 राइफल, एक मैगजीन, जिंदा कारतूस और दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए। इसके बाद उनपर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया गया। सिविल कोर्ट ने अनंत सिंह को 10 साल जेल की सजा सुनाई, लेकिन 14 अगस्त 2024 को पटना हाईकोर्ट ने उन्हें सबूत के अभाव में बरी कर दिया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस की जांच में कमियां थीं। हथियार अनंत सिंह के हैं। यह साबित नहीं किया जा सका। दुलारचंद यादवः लालू के करीबी से जन सुराज तक का सफर 1990 के दशक में लालू यादव के उदय के साथ दुलारचंद ने मोकामा के टाल इलाके में अपनी मजबूत पकड़ बनाई। पहलवानी से राजनीति में आए दुलारचंद ने यादव, ओबीसी और दलित मतदाताओं को अपने साथ जोड़ा और टाल के बादशाह के नाम से प्रसिद्ध हो गए। उनकी पहचान लालू के करीबी के रूप में की जाने लगी। 2025 में जन सुराज के साथ थे। अनंत सिंह के भाई के खिलाफ लड़े, लेकिन जीत न पाए दुलारचंद अनंत सिंह और उनके बड़े भाई दिलीप सिंह के खिलाफ कई बार चुनाव लड़े, लेकिन हर बार हार गए। 2019 में पुलिस ने दुलारचंद को कुख्यात गैंगस्टर बताकर गिरफ्तार किया। उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि सामने आई, लेकिन मोकामा में उनकी सामाजिक पकड़ कभी नहीं टूटी। 31 अक्टूबर को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई जिसमें मौत का कारण फेफड़ा फटना और कार्डियो रेस्पिरेटरी फेलियर बताया गया। रिपोर्ट में कहा गया कि दुलारचंद को भारी वस्तु से पीठ पर जोरदार झटका लगा, जिससे कई पसलियां टूटीं और फेफड़े फट गए। इस तरह, गोली नहीं बल्कि गाड़ी से कुचलना मौत का मुख्य कारण बना। 3 FIR, 5 नामजद, अनंत सिंह मुख्य आरोपी दुलारचंद के पोते नीरज कुमार की FIR में अनंत सिंह को मुख्य आरोपी बताया गया। अनंत के खिलाफ 3 FIR दर्ज किए गए हैं। इनमें अनंत के अलावा राजवीर सिंह, कर्मवीर सिंह, छोटन

सहरसा सदर अस्पताल में डॉक्टर से मारपीट-तोड़फोड़

सहरसा। सदर अस्पताल में रात करीब साढ़े 11 बजे डॉक्टर से मारपीट और तोड़फोड़ की घटना हुई। मरीज के साथ आए तीन युवकों पर यह मारपीट का आरोप है। इस घटना के बाद इमरजेंसी सेवा करीब ढाई घंटे तक बाधित रही, जिससे मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि सिविल सर्जन के आश्वासन के बाद रात दो बजे के बाद इमरजेंसी सेवा बहाल हो सकी। सहरसा सदर थाना क्षेत्र के हकपाड़ा निवासी मनीष कुमार सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उन्हें रात करीब 9 बजे सदर अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया और भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। रात करीब 11:30 बजे घायल मनीष के साथ आए तीन युवकों का इमरजेंसी के ट्राएज रूम में तैनात नर्सों से ऑक्सीजन लगाने को लेकर विवाद हो गया। शोर सुनकर डॉक्टर रोशन लाल अपने रेस्ट रूम से इमरजेंसी पहुंचे। डॉ. रोशन लाल ने जब युवकों को समझाने का प्रयास किया, तो उन्होंने डॉक्टर के साथ हाथापाई और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान अस्पताल परिसर में रखे गमलों को भी तोड़ दिया गया। डॉ रोशन लाल ने कहा कि उन्हें धमकी भी दी गई कि वह बाहर निकलेंगे तो उनके साथ फिर मारपीट की घटना को अंजाम दिया जाएगा। डायल 112 की पुलिस ने किया स्थिति नियंत्रित घटना के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और इमरजेंसी सेवा पूरी तरह ठप हो गई। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने सिविल सर्जन और अन्य अधिकारियों को फोन किया, लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। बाद में डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। डॉ. रोशन लाल ने अपनी सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होगी, तो आम मरीजों की सुरक्षा कैसे होगी। रात करीब 2:30 बजे सिविल सर्जन ने डॉ. रोशन लाल को सोमवार को आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद आपातकालीन सेवा फिर से शुरू हो सकी। इस घटना से अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य कर्मियों में भय और आक्रोश का माहौल है।

अमित शाह बोले- लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ होगा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार के आखिरी 2 दिन बचे हैं। 6 नवंबर को पहले फेज की वोटिंग होगी। सीतामढ़ी की चुनावी सभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, ' मैं आपको बिहार चुनाव का रिजल्ट अभी बता देता हूं। 14 नवंबर को दोपहर 1 बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। भारी बहुमत से बिहार में NDA की सरकार बनेगी। 'महाठगबंधन' में न नेता है, न नीति है। मालूम ही नहीं है कि कौन, किस सीट से लड़ रहा है।' सहरसा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी सभा की। उन्होंने कहा, देश में कुछ भी होता है तो ये लोग हमारे ऊपर ठीकरा फोड़ते हैं। इन लोगों को अपमान मंत्रालय बना देना चाहिए। प्रधानमंत्री का समय बहुत कीमती होता है, ये फालतू की बातों में आपका समय बर्बाद कर रहे हैं। सहरसा में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि, हाल में इन लोगों ने रक्षकरवाकर 65 लाख वोट काट दिए। आपको वोट कटना मतलब नागरिकता खत्म कर देना। ये बड़ी साजिश है देश में कुछ भी होता है तो ये लोग हमारे ऊपर ठीकरा फोड़ते हैं। इन लोगों को अपमान मंत्रालय बना देना चाहिए। 20 साल से बिहार में एक ही सरकार चल रही है। नीतीश की सरकार केन्द्र से चलती है। आज बिहार में सीएम का सम्मान नहीं हो रहा है। आपके सीएम की नहीं सुनी जा रही है। बीजेपी के बड़े बड़े नेता यहां आए। बीजेपी के बड़े नेता केवल अतीत की बात करते हैं। भाजपा सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी के मछली पकड़ने वाले वीडियो पर कहा है कि उनके हाथ जितनी मछली लगी हैं उससे कम ही वोट उन्हें मिलेंगे। हम वोट पकड़ रहे हैं, वो मछली पकड़ रहे हैं। पटना में जनशक्ति जनता दल प्रमुख तेज प्रताप यादव ने कहा, राहुल गांधी का काम मोटरसाइकिल चलाना और प्रदूषण फैलाना है। वो पूरी जिंदगी मछली पकड़ते रहेंगे। देश अंधकार में डूब जाएगा... 'जलेबी पकाना, मछली पकड़ना, उनको तो रसोईया होना चाहिए था'। वो नेता क्यों बने?..." तेजप्रताप ने कहा तेजस्वी कल महुआ गए थे, और वहां स्थानीय विधायक ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। वो सामाजिक न्याय की बात करते हैं, लेकिन महुआ में वो गरीबों को पीट रहे हैं। मेरा कार्यक्रम राघोपुर में है, और सिर्फ एक नहीं, मेरा हेलीकॉप्टर राघोपुर में दो जगहों पर उतरेगा। चुनाव के पहले चरण को लेकर भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। 3 से 7 नवंबर तक सीमा पूरी तरह सील रहेगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच आवाजाही पर पूरी तरह बैन रहेगी।

कभी करीबी रहे गोपाल मंडल के खिलाफ सीएम का प्रचार

भागलपुर में बोले- पहले की सरकार ने कुछ नहीं किया

पटना। बिहार विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार जोरों पर हैं। आज सोमवार को सीएम नीतीश कुमार की भागलपुर जिले में तीन चुनावी सभा है। गोपालपुर सीट के तीनटंगा में मुख्यमंत्री की पहली सभा की। गोपालपुर में जदयू ने सिटिंग विधायक गोपाल मंडल का टिकट काट कर लोकसभा चुनाव के समय आरजेडी से जेडीयू में आए बुलो मंडल को उम्मीदवार बनाया है। सभा में नीतीश कुमार ने कहा, 'पहले वाली स्थिति में बहुत बुरा हाल था। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलता था। अब बच्चा, लड़का, लड़की आराम से घूमते हैं। हम भी अपने इलाके में जाते थे तो देखते थे सब बंद रहता था। पहले फालतू सरकार थी। हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। पढ़ाई की व्यवस्था नहीं थी, इलाज की व्यवस्था नहीं थी। सड़कें नहीं थीं। बिजली नहीं थी। हमारी सरकार आई तो हमने सभी के हित में काम किया।' तीनटंगा के बाद सीएम की कहलगांव के गोराडीह में सभा हुई। इसके बाद तीसरी सभा सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र के करहरिया स्थित देवी प्रसाद महतो उच्च स्कूल के मैदान में होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने संबोधन की शुरूआत 2005 से पहले और बाद के बिहार की तुलना करते हुए की। उन्होंने कहा कि पहले वाली सरकार (राजद) ने कोई काम नहीं किया था। ऐसा बुरा हाल था कि लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। हमारी सरकार ने कानून का राज स्थापित किया। हम लोगों ने 2006 में ही कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू करा दी और 2016 में 60 वर्ष से पुराने हिंदू मंदिरों की भी घेराबंदी कराई, ताकि कोई विवाद न हो। चाहे हिंदू हो या मुस्लिम, हमने सबके लिए काम किया। नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण के कामों को गिनाते हुए कहा कि 2006 में पंचायती राज में 50% आरक्षण, 2013 में पुलिस में 35% और 2016 में सभी सरकारी नौकरियों में 35% आरक्षण महिलाओं को दिया गया। उन्होंने कहा कि आज बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या देश में सबसे ज्यादा है। 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर 'जीविका' समूह की शुरूआत की, जिनकी संख्या आज 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। रोजगार के मुद्दे पर नीतीश कुमार ने बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि हमने 2020 में 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार का वादा किया था। अब 10 लाख नौकरी का काम हो गया है और रोजगार पाने वालों की संख्या भी 40-50 लाख हो गई है। अब हमने तय कर दिया है कि अगले 5 साल में 1 करोड़ युवाओं का (रोजगार सुनिश्चित) किया जाएगा। धोरैया विधानसभा में प्रत्याशी मनीष कुमार के समर्थन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सड़क मार्ग से अमरपुर विधानसभा में जदयू प्रत्याशी जयंत राज के समर्थन में चुनावी सभा करेंगे। मुंगेर में कल मुख्यमंत्री नीतीश ने सम्राट चौधरी की जमकर की तारीफ मुंगेर में रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा के दौरान डिप्टी सीएम और तारापुर प्रत्याशी सम्राट चौधरी की जमकर तारीफ की। CM नीतीश ने सम्राट की ओर इशारा करते हुए कहा, 'ये बढ़िया काम करते हैं, इन्हें बनाइए और आगे बढ़ाइए। नीतीश करीब 5 मिनट तक सम्राट की तारीफ करते रहे। उन्होंने कहा, ये बनेंगे तो बिहार बनेगा। इससे पहले CM नीतीश ने बेगूसराय के साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से NDA के लोजपा (रा.) के प्रत्याशी सुरेंद्र विवेक के समर्थन में सभा की। इस दौरान लालू-राबड़ी राज पर जमकर निशाना साधा।

संक्षिप्त डायरी

गयाजी के इमामगंज में चिराग पासवान की चुनावी रैली

गयाजी। के इमामगंज में एनडीए के स्टार प्रचारक लोजपा(रा.) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने चुनावी रैली को संबोधित किया। एनडीए समर्थित हम पार्टी की प्रत्याशी दीपा मांझी के समर्थन में आम जनता से वोटिंग की अपील की। रोशनगंज खेल मैदान में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए चिराग ने करीब सात मिनट तक सरकार की उपलब्धियों और विपक्ष के झूठे प्रचार पर निशाना साधा। चिराग पासवान ने दीपा मांझी हमारी भाभी हैं। भाभी हमारे समाज में मां तुल्य होती हैं। अगर आप दीपा मांझी को वोट देते हैं तो समझिए आपने मेरी मां को वोट दिया है। विपक्ष अफवाह फैला रहा है कि लोजपा और हम पार्टी में मतभेद है, जबकि एनडीए परिवार पूरी मजबूती से एकजुट है। सभा में मौजूद हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के राष्ट्रीय संरक्षक और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि 90 के दशक में शाम तीन बजे के बाद इमामगंज में कोई घर से बाहर नहीं निकलता था। लेकिन हमारे शासनकाल में कानून व्यवस्था कायम हुई। ना हमने किसी को फंसाया, ना किसी को छुड़ाया। जो दोषी था, उसे कानून ने सजा दी। मांझी ने जनता से अपील करते हुए कहा कि बिहार को पीछे ले जाने वालों से सावधान रहें और विकास की राजनीति पर भरोसा रखें। विपक्ष के लोग आज फिर उसी जंगलराज को लाना चाहते हैं, जब भय और अराजकता का माहौल था।

मतदाता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन, मतदान प्रतिशत बढ़ाने का लिया संकल्प

मोतिहारी। में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले मतदाताओं को जागरूक करने के लिए शरण कॉम्प्लेक्स में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बुद्धिजीवी, शिक्षक, छात्र, समाजसेवी और आम नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसका उद्देश्य मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतंत्र में अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना था। महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, मोतिहारी के वाइस चांसलर प्रो. संजय श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे। प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रो. श्याम नंदन ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। डॉ. आशुतोष शरण सहित कई अन्य प्रतिष्ठित अतिथि भी मंच पर उपस्थित थे। नागरिकों की जिम्मेदारी है मतदान प्रोफेसर श्याम नंदन ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से स्वयं मतदान करने और दूसरों को भी प्रेरित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के मतदान केंद्र तक पहुंचने से ही लोकतंत्र मजबूत होगा और सही मायने में लोगों की सरकार बनेगी। उन्होंने युवाओं से सही उम्मीदवार चुनने की अपील की। डॉ. आशुतोष शरण ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय नागरिक होने का सबसे बड़ा प्रमाण मतदान करना है। उन्होंने कहा कि जो लोग वोट नहीं देते, वे लोकतंत्र के सबसे बड़े दोषी हैं। उन्होंने जोर दिया कि हर वोट महत्वपूर्ण है और यह हमारे भविष्य को निर्धारित करता है। बूथ तक पहुंचाने में सहयोग देने का लिया संकल्प इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आगामी चुनाव में स्वयं मतदान करने और अपने परिवार व मोहल्ले के लोगों को भी बूथ तक पहुंचाने में सहयोग देने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि ऐसी पहल से मतदान प्रतिशत बढ़ने के साथ-साथ लोकतांत्रिक चेतना भी सशक्त होगी। संगोष्ठी के दौरान पूरे माहौल में ह्यपहले मतदान, फिर जलपानह्व का संदेश गूंजता रहा। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह पहल मोतिहारी को शत-प्रतिशत मतदान वाला जिला बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

सड़क हादसे में बच्ची की मौत बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर ट्रक से टकराई बाइक

नालंदा। में बिहटा सरमेरा टू-लेन पर ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार बच्ची की मौत हो गई। जबकि भाई और पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट कराया गया है। विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मृतका की पहचान नित्या कुमारी(5) के तौर पर हुई है। घायल की पहचान चंदुआरा गांव निवासी पिता नीतीश कुमार(50) और भाई आयांश के तौर पर हुई है। घटना रहुई थाना क्षेत्र के भंडारी गांव के पास की है। बाइक ट्रक से टकरा गई नीतीश कुमार ने बताया कि हर दिन की तरह अपने दोनों बच्चों को लेकर बिहार शरीफ बाइक से स्कूल छोड़ने के लिए जा रहे थे। भंडारी गांव के पास ट्रक ने अचानक टर्न ले लिया। जिसके कारण बाइक ट्रक से टकरा गई। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। इस बीच ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम जानकारी के मुताबिक नीतीश सोंसदी पंचायत के उपसरपंच हैं। इसके अलावे बिहार शरीफ और गांव में टयूशन भी पढ़ाते हैं। हादसे की सूचना पर स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को शांत कराया। मुआवजे का आश्वासन देकर सड़क जाम को हटाया। आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी इस संबंध में रहुई थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि सड़क हादसे की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एक बच्ची की मौत हो गई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अज्ञात वाहन की पहचान की जा रही है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नहीं पर्यावरण प्राधिकरण, हाई कोर्ट ने सरकार से मांगा हलफनामा, अगली सुनवाई 18 नवंबर को

चंडीगढ़ : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार से यह स्पष्ट करने के लिए खनन एवं भूविज्ञान विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का व्यक्तिगत हलफनामा मांगा है कि फरवरी 2025 के बाद से राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण का गठन अब तक क्यों नहीं किया गया। अदालत ने राज्य सरकार और भारत सरकार के संबंधित विभागों के बीच हुई पूरी पत्राचार की प्रतियां भी पेश करने के आदेश दिए हैं। यह आदेश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने एम एस दर्श मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड और एक अन्य की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिए।

याचिकाकताओं ने बताया कि वे नबीआबाद सैंड यूनिट, जिला करनाल में रेत खनन के सफल बोलीदाता रहे हैं। वर्ष 2022 में उन्हें नौ साल के लिए खनन पट्टा आवंटित किया गया था। नियमानुसार पर्यावरण स्वीकृति राज्य की संस्था राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण द्वारा दी जानी थी, जो शुरू में एक वर्ष के लिए दी गई। बाद में केवल तीन माह का विस्तार किया गया, जबकि उनका खनन प्लान पाँच वर्ष के लिए स्वीकृत था। राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति ने आगे विस्तार की सिफारिश भी कर दी थी, लेकिन राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण के गठन न होने

के कारण पर्यावरण स्वीकृति नहीं मिल पाई। याचिकाकर्ता के अनुसार, केंद्र सरकार की 2022 की अधिसूचना के अनुसार पर्यावरण स्वीकृति पूरी खनन अवधि तक दी जानी चाहिए थी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि हरियाणा में कई वैध खनन इकाइयां केवल अनुमति न मिलने के कारण बंद पड़ी हैं। इससे राज्य में अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है और सरकार को राजस्व का भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम है। खंडपीठ ने अपनाया कड़ा रुख

कड़ा रुख अपनाते हुए खंडपीठ ने कहा कि मामले के तथ्यों को देखते हुए सरकार यह बताए कि फरवरी 2025 के बाद से राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण का गठन क्यों नहीं किया गया। साथ ही केंद्र सरकार के विभागों के साथ हुई संपूर्ण पत्राचार की प्रतियां भी हलफनामे के साथ प्रस्तुत की जाएं।

18 नवंबर को अगली सुनवाई

अदालत ने अपने विस्तृत आदेश में यह भी दर्ज किया कि याचिकाकताओं के अनुसार राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण के सदस्यों की नियुक्ति के लिए भेजी गई सिफारिशें केंद्र सरकार ने इस आधार पर स्वीकृत नहीं कीं कि उम्मीदवारों में निर्धारित योग्यता की कमी थी।

मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर 2025 को निर्धारित की गई है।

खबर एक्सप्रेस

एक बार फिर काटे 4.73 लाख बीपीएल कार्ड, इस जिले के सबसे अधिक परिवार शामिल

हरियाणा: हरियाणा से बड़ी खबर सामने आ रही है। एक बार फिर से 4 लाख 73 हजार BPL कार्ड काटे गए हैं। राज्य के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने पिछले छह महीनों में 11 लाख 83 हजार 970 परिवारों के बीपीएल राशन कार्ड रद्द कर दिए हैं। विभाग के अनुसार इन सभी परिवारों की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से अधिक पाई गई थी। साथ ही, इनमें से कई परिवारों के सालाना बिजली बिल 30 हजार रुपये से ज्यादा आए थे, 400 गज से अधिक की भूमि रजिस्ट्री थी, और घर में दोपहिया या चारपहिया वाहन भी मौजूद थे। ऐसे में नियमों के तहत उनके नाम बीपीएल सूची से हटा दिए गए। नवंबर 2025 तक हरियाणा में बीपीएल कार्डधारक परिवारों की संख्या घटकर 40 लाख 66 हजार 770 रह गई है। केवल पिछले दो महीनों में ही 4 लाख 73 हजार 247 बीपीएल कार्ड रद्द किए गए, जिससे करीब 12.89 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अप्रैल 2025 में यह संख्या 52 लाख 50 हजार परिवारों से अधिक थी। विभागीय रिपोर्ट के अनुसार नवंबर महीने में 1 लाख 45 हजार 44 बीपीएल कार्ड रद्द किए गए, जिससे लगभग 5 लाख 38 हजार 262 लोग प्रभावित हुए। वहीं अक्टूबर में 3 लाख 28 हजार 203 कार्ड रद्द किए जाने से 7 लाख 51 हजार 17 लोगों पर असर पड़ा।विभाग ने बताया कि जिन परिवारों की आय निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई, उनके कार्ड नियमों के अनुसार रद्द कर दिए गए हैं। यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी ताकि केवल पात्र परिवारों को ही सस्ता राशन मिल सके।

बाइक धीरे चलाने पर विवाद, यु वक और उसके परिवार पर हमला, 8 लोगों पर केस दर्ज

फरीदाबाद : फरीदाबाद के तिगांव विधानसभा क्षेत्र के नवादा गांव में बाइक धीरे चलाने को लेकर हुआ विवाद एक युवक और उसके परिवार के लिए भारी पड़ गया। मामूली कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ गया कि दूसरे पक्ष के करीब आठ युवकों ने हंसराज नामक व्यक्ति के घर पर हमला कर दिया। हमले में हंसराज और उसके भाई को गंभीर चोटें आईं। पूरे घटना क्रम की तस्वीरें घर पर लगे CCTV कैमरे में कैद हो गईं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले को लेकर पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने कहा कि पुलिस टीम लगातार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। हालांकि, फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं, लेकिन पुलिस का कहना है कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

बंदा सिंह बहादु र स्मारक के शिलान्यास पर सिख समु दाय का रोष, जत्थेबंदियों ने सरकार को दी चेतावनी

यमुनानगर : यमुनानगर लोहगढ़ साहिब में पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और भाजपा नेताओं द्वारा बंदा सिंह बहादुर स्मारक का शिलान्यास किया गया। लेकिन यह आयोजन अब सिख समुदाय के एक वर्ग में रोष है।जानकारी के अनुसार, रविवार को लोहगढ़ साहिब स्थित गुरुद्वारा में हरियाणा सिख पंथक दल की बैठक आयोजित हुई, जिसमें समुदाय के कई वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि शिलान्यास कार्यक्रम को सिख रीति-रिवाजों के विपरीत आयोजित किया गया था। समुदाय का कहना है कि समारोह में हवन और यज्ञ जैसे हिंदू धार्मिक अनुष्ठान किए गए, जो सिख परंपरा का हिस्सा नहीं हैं। सिख समाज में रोषसिख समुदाय का आरोप है कि इस कार्यक्रम में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी (HSGMC) और अन्य सिख संगठनों को न तो आमंत्रित किया गया और न ही उनकी राय ली गई। इससे सिख समाज में रोष व्याप्त है। पंथक दल के नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक स्मारक स्थल पर पांच प्यारों की अगुवाई में सुखमणि साहिब का पाठ नहीं कराया जाता, वे निर्माण कार्य को आगे नहीं बढ़ने देंगे। उनका कहना है कि सरकार सिख धर्म के इतिहास और परंपराओं के साथ छेड़छाड़ कर रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार के खिलाफ किया जाएगा आंदोलन- पंथक दल पंथक दल के नेताओं ने बैठक में यह भी तय किया गया कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर समुदाय स्तर पर बड़ा निर्णय लिया जाएगा और जरूरत पड़ी तो सरकार के खिलाफ आंदोलन भी शुरू किया जाएगा।

रेहड़ी के किराए के विवाद में यु वक को गोली मारी, दादा ने पोते पर गाड़ी चढ़ाई

गुड़गांव : कहते हैं जर-जोरू और जमीन हमेशा विवाद का कारण बनती है। ऐसा ही एक मामला गुड़गांव के ग्वाल पहाड़ी में सामने आया जहां जमीन के विवाद में एक परिवार में खूनी संघर्ष हुआ। जमीन पर लगने वाली रेहड़ियों के किराए को लेकर युवक को उसके रिश्तेदारों ने न केवल बेरहमी से पीटा बल्कि उसे गोली भी मार दी। गनीमत यह रही कि गोली युवक के हाथ में लगी। इतना ही नहीं घायल युवक के भाई पर उसके दादा ने गाड़ी भी चढ़ा दी, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। गोली लगने से घायल व गाड़ी की टक्कर से घायल दोनों सगे भाईयों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। सूचना मिलते ही ग्वाल पहाड़ी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पोते पर गाड़ी चढ़ाने वाले आरोपी दादा को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सतबीर के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप की मानें तो 2 नवंबर को ग्वाल पहाड़ी चौकी पुलिस को ईआरवी 293 ने सूचना दी थी कि ग्वाल पहाड़ी में तूड़ा-भूस की दुकान के पास गोली चली है। सूचना पाकर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पता लगा कि एक युवक को गाली लगी है जिसे पास ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर सीन ऑफ क्राइम टीम के साथ-साथ डॉग स्कवायड को बुलाया गया और जांच करते हुए पुलिस ने मौके से एक बांस का डंडा, एक कारतूस, एक खोल बरामद कर लिया। इसके बाद पुलिस जब अस्पताल पहुंची तो यहां मिले युवक ने बताया कि घायल धनराज इसका भाई है। नकी जमीन सनसिटी ग्वाल पहाड़ी के पास लगती है, जिस पर ये किराए पर रेहड़ी लगवाते हैं। करीब 8 दिन पहले इनका रिश्तेदार जय प्रकाश इनकी द्वारा लगवाई जाने वाली रेहड़ियों पर हफ्ता वसूली करने आया था। इसको लेकर उसके चाचा जयप्रकाश की कहासुनी हुई थी और चार दिन पहले जयप्रकाश की धनराज से भी कहासुनी हो गई थी। कल दोपहर बाद धनराज अपनी दुकान सचिन जनरल स्टोर पर था तो जयप्रकाश के बेटे प्रशांत, निशांत आशीष, दीपक व पियूष लाठी-डंडे लेकर आए और इसके भाई के साथ मारपीट करने लगे। सूचना मिलते ही धनराज का परिवार भी मौके पर आ गया और उनसे बात करते हुए भूसे के पास पहुंचे जहां धनराज आगे था। इसी दौरान हरेंद्र, तसबीर, जयप्रकाश व गुल्लू ने अन्य के साथ मिलकर धनराज को पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि हरेंद्र ने जान से मारने की नीयत से इसके भाई धनराज पर पिस्टल से गोली चला दी, गोली इसके भाई के हाथ में लगी व उसका हाथ टूट गया, फिर आरोपियों ने इसके भाई सतबीर को जान से मारने की नीयत से स्कॉर्पियो कार से टक्कर मारी व वहां से भाग गए। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी सतबीर को ग्वाल पहाड़ी से काबू कर लिया है। आरोपी से पूछताछ जारी है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी सतबीर घायलों का दादा चाचा है और वह गुड़गांव में रहकर पानी सप्लाई का काम करता है। इनकी पुश्तैनी जमीन पर पीड़ित धनराज व गाड़ी से टक्कर मारकर जनलेवा हमला करने की वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के आदर्श नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं: मुख्यमंत्री नायब सैनी

चंडीगढ़ : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के त्याग, साहस और बलिदान से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। मुख्यमंत्री आज हरियाणा सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर आयोजित निबंध लेखन और ह्वसुनो कहानी श्री गुरु तेग बहादुर जी कीह्व प्रतियोगिता का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का जीवन सत्य, साहस और मानवता की सर्वोच्च मिसाल है। उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया, जो युगों-युगों तक प्रेरणादायक रहेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा, विनीत गर्ग, जनसंपर्क महानिदेशक के.एम. पांडुरंग, वर्षा खांगवाल और ओएसडी प्रभलीन सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेशभर के विद्यालय इस कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें गुरु तेग बहादुर जी के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके सिद्धांतों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में चार विद्यार्थियों ने साखी वाचन के माध्यम से गुरुजी के जीवन से जुड़ी प्रेरक घटनाएं साझा कीं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस प्रतियोगिता में साढ़े तीन लाख से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि नई पीढ़ी अपने गुरुओं के आदर्शों से जुड़ रही है। उन्होंने कहा कि तकनीकी युग के युवा सोशल मीडिया का उपयोग मानवता, करुणा और भाईचारे के संदेश को फैलाने में करें, यही श्री गुरु तेग बहादुर जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मिशन मोड में MCG, सड़कों की बदल रही सूरत

गुड़गांव, (ब्यूरो): नगर निगम गुरुग्राम द्वारा चलाए जा रहे मिशन प्रदूषण मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम अभियान के अंतर्गत शहर की प्रमुख सडकों पर अब साफ-सफाई का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। निगम की स्वच्छता टीमों द्वारा मुख्य सड़कों से धूल-मिट्टी, घास-झाड़ियां, सीएंडडी वेस्ट, कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक वेस्ट को हटाया जा रहा है, जिससे सड़कें पहले की तुलना में अधिक स्वच्छ और आकर्षक दिखने लगी हैं। स्वच्छता कर्मियों द्वारा बस क्यू शेल्टर और मेट्रो स्टेशनों के आसपास के क्षेत्रों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि नागरिकों और यात्रियों को स्वच्छ परिवेश मिल सके।निगमायुक्त प्रदीप दहिया के दिशा-निर्देशानुसार, नगर निगम गुरुग्राम ने आगामी तीन महीनों में शहर की मुख्य सड़कों, अंदरूनी गलियों, ग्रीन बेल्ट क्षेत्रों, बस क्यू शेल्टर, मेट्रो स्टेशन सहित सभी सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए निगम की टीमें प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई कार्य में जुटी हैं। वहीं, संयुक्त आयुक्त स्तर के अधिकारी भी प्रतिदिन मौके पर जाकर अभियान की निगरानी कर रहे हैं और सफाई कर्मियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। संयुक्त आयुक्त भी प्रतिदिन धरातल पर जाकर अभियान की निगरानी कर रहे हैं तथा स्वच्छता टीमों का हौसला बढ़ा रहे हैं। जोन-1 क्षेत्र में संयुक्त आयुक्त डा. नरेश कुमार, जोन-2 क्षेत्र में संयुक्त आयुक्त विशाल कुमार, जोन-3 क्षेत्र में संयुक्त आयुक्त डा. जयवीर यादव तथा जोन-4 क्षेत्र में संयुक्त आयुक्त रविन्द्र मलिक के नेतृत्व में मिशन प्रदूषण मुक्त स्वच्छ गुरुग्राम अभियान लगातार जारी है। सोमवार को टीमों ने गुरुग्राम विश्वविद्यालय रोड, एसपीआर, द्वारका एक्सप्रेस वे ग्रीन बेल्ट, सेक्टर-45 रोड, अंबेडकर चौक, वजीराबाद रोड, सेक्टर-40, सामुदायिक केंद्र सेक्टर-31, सेक्टर-31/39 डिवाइडिंग रोड, बादशाहपुर रोड, सिग्नेचर टावर, शोभा सिटी रोड, सेक्टर-33/34 डिवाइडिंग रोड, महाराजा रणजीत सिंह मार्ग, सोहना चौक, सनाथ रोड, सोहना चौक से राजीव चौक, ओल्ड व न्यू रेलवे रोड सहित विभिन्न क्षेत्रों में सफाई कार्य किया। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि नगर निगम का लक्ष्य सिर्फ सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि प्रदूषण मुक्त वातावरण तैयार करना है। शहरवासियों को भी इस अभियान का हिस्सा बनकर स्वच्छ गुरुग्राम के निर्माण में सहयोग देना चाहिए।

बेजुबान की हत्या कर लाश साथ ले गए युवक, CCTV कैमरे में कैद हुई वारदात

गुड़गांव : प्रताप नगर एरिया में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां तीन युवकों ने मिलकर एक बेजुबान की हत्या कर दी। इतना ही नहीं इन युवकों ने उसकी लाश को एक चादर में लपेटा और मौके से फरार हो गए। जिस स्कूटी और बाइक पर आरोपी आए थे उस पर कोई नंबर प्लेट ही नहीं लगी थी। वहीं, घटनाक्रम का एक वीडियो तीनों युवकों के एक अन्य साथी ने बना लिया। पूरा घटनाक्रम पास ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। यह वीडियो अब तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूरा घटनाक्रम कल सुबह करीब चार बजे हुआ।सीसीटीवी

कैमरे में साफ दिखाई दे रहा है कि किस तरह से एक युवक डंडा लेकर आता है और कुत्ते के पास चुपचाप खड़ा हो जाता है। उसका एक साथी बड़ा पत्थर लेकर दीवार पर चढ़ जाता है। जैसे ही कुत्ता जागता है वैसे ही डंडा लेकर खड़ा युवक कुत्ते पर हमला कर देता है और उसे बेरहमी से पीटने लगता है। इसी दौरान उसका एक अन्य साथी डंडा लेकर आता है और बेरहमी से पीटता है। तभी पत्थर लेकर दीवार पर खड़ा युवक कुत्ते पर पत्थर से हमला कर उसे मौत की नींद सुला देता है। इस हमले की वीडियो यहां पर ही मौजूद तीनों युवकों का साथी बनाता है। इन युवकों की प्लानिंग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह लोग अपने साथ एक चादर भी लाए थे जिसमें कुत्ते की लाश को लपेटकर ले गए। जिस वक्त यह लोग वारदात को अंजाम दे रहे थे तब कुछ लोग पार्क में सैर करने के लिए आए थे जिन्होंने इन युवकों को रोका, लेकिन यह लोग नहीं माने। लोगों की मानें तो जिस बाइक और स्कूटी पर सवार होकर यह युवक आए थे उस पर कोई नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। यह युवक अपने साथ चादर भी लाए थे जिसमें लपेटकर यह कुत्ते के शव को अपने साथ ले गए। बेजुबान को इन युवकों ने मारा है वह महज आठ महीने का था। प्रत्यक्षदर्शी रविंद्र की मानें तो यह युवक कह रहे थे कि यह कुत्ता लोगों को काटता है, लेकिन गली के रहने वाले लोगों की मानें तो यह किसी को भी नहीं काटता था। इस गली में केवल दो-तीन लोगों को ही इस कुत्ते से परेशानी थी। फिलहाल यह सीसीटीवी वायरल हो रहा है।

बिहार चुनाव की सरगर्मी हरियाणा में भी दिखी, सोनीपत से बिहार के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना

सोनीपत : बिहार विधानसभा चुनाव की गहमागहमी अब हरियाणा में भी देखने को मिल रही है। सोनीपत रेलवे स्टेशन पर बिहार जाने वाले प्रवासी मतदाताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। स्टेशन परिसर में बीजेपी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने विशेष टेबल लगाकर बिहार जाने वालों का नाम, पता और मोबाइल नंबर दर्ज किया। बिहार चुनाव को ध्यान में रखते हुए हरियाणा से एक स्पेशल ट्रेन चलाई गई है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रवासी मतदाता अपने गृह प्रदेश लौट रहे हैं। इस मौके पर बीजेपी नेताओं ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और यात्रियों से संवाद भी किया। बीजेपी के मेयर राजीव जैन और विधायक देवेंद्र कौशिक ने प्रवासियों से मुलाकात कर केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी तथा एनडीए के पक्ष में वोट डालने की अपील की। प्रवासी युवाओं ने कहा कि बिहार में बढ़ती बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। उनका कहना है कि अगर बिहार में उद्योगों का विकास हो तो लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन बिहार की तस्वीर नहीं बदलती, अब ऐसी सरकार की जरूरत है जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों पर काम करें। बीजेपी नेता देवेंद्र कौशिक ने बताया कि स्टेशन पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सभी यात्रियों के लिए व्यवस्था की गई है ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो और वे बिहार जाकर एनडीए गठबंधन की सरकार बनाने में योगदान दें।मेयर राजीव जैन ने कहा कि प्रवासी लोग अपने प्रदेश जाकर मतदान के अधिकार का प्रयोग करें, इसके लिए यात्रा की विशेष व्यवस्था की गई है।

पानी टैंकर माफिया तोता साथियों संग गिरफ्तार, हथियार के बल पर लोगों को लूटने की फिराक में थे आरोपी

गुड़गांव, (ब्यूरो): अपराध शाखा सेक्टर-17 की टीम ने सूचना के आधार पर संगीन वारदातों को अंजाम देने वाले शातिर बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। इन बदमाशों में एक पानी टैंकर माफिया सुनील उर्फ तोता है जिस पर 20 से भी ज्यादा संगीन वारदातों के मामले दर्ज हैं। आरोपियों को जब पुलिस ने काबू किया तो यह संगीन वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें पहले ही दबोच लिया। आरोपियों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जा रहा है, जिनसे पूछताछ की जाएगी। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने अवैध हथियार बरामद किए हैं जिन्हें तोता ने एक लाख रुपये में खरीदे थे।पुलिस प्रवक्ता एएसआई संदीप की मानें तो अपराध शाखा सेक्टर-17 ने सूचना के आधार पर सेक्टर-37 थाना एरिया से आरोपियों को काबू किया जिनकी पहचान गांव धनवापुर निवासी सुनील उर्फ तोता, गांव लाखुवास निवासी संदीप व रोहित उर्फ कालिया के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 2 अवैध पिस्टल, एक देसी कट्टा व एक कार बरामद की है। आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सुनील उर्फ तोता आदतन अपराधी है जिस पर लूटपाट, हथियार के बल पर मारपीट सहित अन्य वारदातों के करीब 20 मामले दर्ज हैं। अपने साथी से एक लाख रुपए में हथियार खरीदने के बाद आरोपी ने यह हथियार अपने साथी संदीप व रोहित को उपलब्ध कराए थे। यह लोग हथियार के बल पर लूटपाट की योजना को अंजाम देने की प्लानिंग कर रहे थे। आरोपियों ने गुड़गांव में मारपीट कर फिरौती मांगने की वारदात का भी खुलासा किया है।

पत्नी ने बुजुर्ग पति को उतारा मौत के घाट, घर के आंगन में बेरहमी से करती दिखी वार

गोहाना : सोनीपत जिले के सराय नामदाखां गांव में पति-पत्नी के बीच हुए झगड़े ने खूनी रूप ले लिया। गुस्से में आई पत्नी ने अपने 62 वर्षीय पति के सिर पर ईंट से वार कर उसकी हत्या कर दी। यह पूरी घटना पड़ोसी युवक ने वीडियो में कैद कर ली, जो अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बनी हुई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। शव को गोहाना सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 62 वर्षीय सुरेश के रूप में हुई है, जो अपनी पत्नी पूनम के साथ

घर में अकेले रहता था। देर रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और विवाद बढ़ने पर पत्नी ने ईंट उठाकर पति के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई।

दोनों में अक्सर रहता झगड़ा

स्थानीय लोगों का कहना है कि दंपती के बीच अक्सर कहासुनी होती रहती थी, लेकिन इस बार झगड़ा इतना बढ़ गया कि पत्नी ने अपना आपा खो पति की ईंट मारकर हत्या कर दी। मृतक की दो बेटियां हैं, जिनमें से एक की शादी हो चुकी है जबकि दूसरी को गोद दे दिया गया था।

सुरेश ऑटो चलाकर घर का गुजारा करता था और दोनों बुजुर्ग पेंशन भी लेते थे।

आरोपी महिला को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा- एसीपी

एसीपी मलकीत सिंह ने बताया कि आरोपी पत्नी पूनम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कहा कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

अंसल एसेंसिया सोसाइटी में तख्ता पलट, नई RWA का हुआ गठन

गुड़गांव,(ब्यूरो): सेक्टर-67 स्थित अंसल एसेंसिया सोसाइटी में स्थानीय लोगों और रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी के बीच चले आ रहे विवाद पर विराम लगा है। लोगों ने यहां तख्ता पलट करते हुए नई आरडब्ल्यूए का गठन कर लिया है। इस आरडब्ल्यूए में सोसाइटी निवासियों ने युवाओं को चुना है। इन नई कार्यकारिणी पर सोसाइटी निवासियों ने अपना विश्वास जताते हुए कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि नई कार्यकारिणी सोसाइटी के अधूरे पड़े कार्यों को पूरा कराने में अपना योगदान देगी। नई आरडब्ल्यूए में अध्यक्ष के पद पर एडवोकेट जितिन राव को चुना गया है। वहीं, उपाध्यक्ष के पद पर नितिन कुमार, महासचिव के पद पर अर्पिता गौड़, कोषाध्यक्ष गीता चौधरी, संयुक्त सचिव अविनाश गोयल को चुना गया है। वहीं, एग्जीक्यूटिव सदस्य के तौर पर देवेंद्र सिंह नेहरा, ब्रिजपाल सिंह मलिक व किरण अरोड़ा को चुना गया है। नई कार्यकारिणी की मानें तो वह

सोसाइटी निवासियों के हित में कार्य करेंगे और बिल्डर द्वारा अधूरे छोड़े गए कार्यों को पूरा कराने में अपना योगदान देंगे। आपको बता दें कि यह कार्यकारिणी दो साल के लिए गठित हुई है। इससे पहले गठित हुई आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी पर कई गंभीर आरोप लगे थे। जिसमें दूसरे बिल्डर को सीवर व बिजली के लिए रास्ता देने के नाम पर अवैध रूप से एक एग्रीमेंट करने का मुख्य था। तत्कालीन आरडब्ल्यूए की तरफ से जब सोसाइटी में दूसरे बिल्डर का कार्य शुरू कराया गया तो सोसाइटी निवासियों ने इसका विरोध किया और आरडब्ल्यूए के तत्कालीन अध्यक्ष को तुरंत ही अवैध एग्रीमेंट को रद्द करके अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की थी। यह मामला सीनियर टाउन प्लानर के पास भी पहुंचा था जिन्होंने भी एग्रीमेंट को अवैध बताते हुए कार्य को तुरंत प्रभाव से रुकवा दिया था। इसके बाद से ही लोगों ने अपनी आरडब्ल्यूए को बदलने का संकल्प किया और इस बार तख्तापलट करते हुए नई कार्यकारिणी को चुना है।

संक्षिप्त समाचार

भारी बर्फबारी और भूस्खलन में ऊपरी मुस्तांग का संपर्क कटा

काठमांडू, एजेंसी। भारी हिमपात और भूस्खलन के कारण सड़कों, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बाधित हो जाने से ऊपरी मुस्तांग का संपर्क पूरी तरह से कट गया है। इसके चलते वहाँ करीब 550 से अधिक पर्यटक और 100 से ज्यादा वाहन फँसे हुए हैं। जोमसोम-कोरला सड़क जगह-जगह धँसने और भूस्खलन से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बारिश के साथ हुई बर्फबारी के कारण बागबेनी से ऊपर छुसाङ क्षेत्र तक सड़क, बिजली और इंटरनेट सेवाएँ बंद हो गई हैं। मुस्तांग के पुलिस प्रमुख डीएसपी छिरिंग किप्पा लामा के अनुसार, स्थानीय पुलिस चौकियाँ रविवार सुबह तक भी संपर्क में नहीं आ पाई हैं। उन्होंने बताया कि छुसाङ से ऊपर आधा दर्जन से अधिक बड़े भूस्खलन हुए हैं और जेसीबी मशीनों से सड़क खोलने का कार्य शुरू किया गया है लेकिन पूरी तरह मार्ग साफ करने में अभी कुछ दिन लगेंगे। कागबेनी और आसपास के क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी के कारण पर्यटकों को बचाव की आवश्यकता पड़ी। इसके साथ ही ऊँचे पहाड़ी और हिमालयी इलाकों का संपर्क भी पूरी तरह टूट गया। मुस्तांग के प्रमुख जिला अधिकारी बिष्णु प्रसाद भुसाल के अनुसार, ऊपरी मुस्तांग में 550 से अधिक पर्यटकों से संपर्क कट गया है। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि 559 लोग और 108 वाहन वहाँ फँसे हुए हैं। ऊपरी मुस्तांग में संपर्क का कोई माध्यम उपलब्ध नहीं है। बड़े-बड़े भूस्खलन हटाने की आवश्यकता होने के कारण इसमें कम से कम 3 दिन और लगेंगे। उन्होंने कहा कि वहाँ फंसे अधिकांश पर्यटक भारत और दूसरे देशों के हैं। नेपाली टूर गाइड और विदेशी पर्यटकों की सही संख्या का भी अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि चूँकि वहाँ होटल और घर मौजूद हैं इसलिए सभी लोग सुरक्षित स्थान पर होंगे।

हाइड्रोलिक गियर फेल होने पर काठमांडू जा रहे विमान की आपात लैंडिंग, 82 यात्री सुरक्षित

काठमांडू, एजेंसी। धनगढी से काठमांडू के लिए उड़ान भरने वाले श्री एयरलाइंस के विमान (फ्लाइट क्यू-400222) को हाइड्रोलिक गियर में समस्या आने के बाद भैरहवा के गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। काठमांडू एयर ट्रैफिक कंट्रोल के मुताबिक काठमांडू में उतरने की तैयारी के दौरान कई प्रयास करने के बावजूद विमान का लैंडिंग गियर नहीं खुल पा रहा था। सुबह 10 बजे धनगढी से उड़ान भरने वाले इस विमान को मूल रूप से काठमांडू में उतरना था, लेकिन समस्या का पता लगने के बाद उसे कुछ समय के लिए सिमरा के ऊपर आसमान में होल्ड कराया गया। इसके बाद भैरहवा हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। हाइड्रोलिक फेल होने के कारण विमान रनवे पर ही रुक गया था। विमान में 82 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। लगभग एक घंटे बाद विमान को रनवे से खींचकर हटाया गया। इस विमान के यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को बाद में दूसरे विमान से काठमांडू भेजा गया है। श्री एयरलाइंस ने बिगड़े हुए विमान की मरम्मत के लिए काठमांडू से टेक्निकल टीम भेजी है।

नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में तीन दिनों से उड़ानें बंद, सैकड़ों विदेशी पर्यटक फंसे

काठमांडू, एजेंसी। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के प्रवेशद्वार के रूप में लुक्ला स्थित तेनजिंग-हिलारी हवाई अड्डे से आने-जाने वाली उड़ानें पिछले तीन दिनों से खराब मौसम के कारण निलंबित हैं। उड़ानें बंद रहने के कारण खुम्बु क्षेत्र से लौटने की तैयारी में लगे सैकड़ों विदेशी पर्यटक लुक्ला में फंसे हुए हैं। इलाके के सभी होटल और गेस्टहाउस पूरी तरह भरे हुए हैं। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर नवराज कटुवाल के अनुसार लगातार बारिश, बर्फबारी और घना कोहरा होने से सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के लुक्ला हवाई अड्डे से उड़ानें गुरुवार से ही बंद हैं, जो आज शनिवार को भी नहीं खुल पाई हैं। कटुवाल ने बताया कि दृश्यता बहुत कम है और न केवल हवाई जहाज, बल्कि हेलीकॉप्टर भी उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। कुछ हेलीकॉप्टरों ने पिछले गुरुवार उड़ान भरी थी, लेकिन तब से कोई उड़ान नहीं हुई है। लुक्ला में तारा एयर के प्रभारी अमृत मगर ने बताया कि करीब 1,500 पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लुक्ला के सभी होटल भरे हुए हैं और नए मेहमानों के लिए कमरे खोजना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासी तोया कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि कुछ होटलों को पर्यटकों को लॉबी में ही बैठाने की व्यवस्था करनी पड़ी है। फ्रांस की पर्यटक जूली मारी ने कहा कि हम तीन दिन पहले एवरेस्ट बेस कैंप से लौटे थे और तब से लुक्ला में ही उड़ान शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

पोकरोव्स्क में अब भी डटे यूक्रेनी सैनिक, रूस ने घेराबंदी का दावा किया

कीव/मॉस्को, एजेंसी। यूक्रेन के शीर्ष सैन्य कमांडर ओलेक्जेंडर सर्स्की ने शनिवार को कहा कि उनकी सेना पूर्वी शहर पोकरोव्स्क में अब भी मजबूती से डटी हुई है, जबकि रूस का दावा है कि उसने एक साल से अधिक चले संघर्ष के बाद शहर को 'पिन्सर मूवमेंट' (दोनों दिशाओं से घेरने की रणनीति) में जकड़ लिया है। रूस डोनेट्स्क प्रांत पर पूर्ण नियंत्रण पाने के अपने अभियान के तहत मध्य-2024 से पोकरोव्स्क पर कब्जे की कोशिश कर रहा है, जिसे 'डोनेट्स्क का प्रवेश द्वार' कहा जाता है। युद्ध से पहले करीब 70,000 आबादी वाला यह शहर अब लगभग पूरी तरह तबाह और खाली हो चुका है।

रूस की बड़ी जीत बन सकता है पोकरोव्स्क : यदि रूस इस शहर पर कब्जा कर लेता है, तो यह अवदीवका के पतन के बाद उसकी सबसे बड़ी सैन्य उपलब्धि होगी। अवदीवका को रूस ने 2024 की शुरुआत में बेहद खूनी लड़ाई के बाद अपने नियंत्रण में लिया था। उसके बाद से रूस ने 1,000 किलोमीटर लंबी मोर्चा रेखा पर धीरे-धीरे बढ़त बनाई है। दोनों पक्षों के हजारों सैनिकों की मौत हो चुकी है। जहां कीव का कहना है कि स्थिति 'काफी हद तक ठहरी हुई' है और क्षेत्रीय नुकसान मामूली हैं, वहीं मॉस्को का दावा है कि वह अब भी 'रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बढ़त' हासिल कर रहा है।

'हम पोकरोव्स्क को संभाले हुए हैं' : यूक्रेनी कमांडर : यूक्रेन के सेना प्रमुख सर्स्की ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'हम पोकरोव्स्क को संभाले हुए हैं। दुश्मन बलों को शहर से बाहर निकालने का व्यापक अभियान जारी है।' रूसी अधिकारियों का कहना है कि यदि वे पोकरोव्स्क और इसके उत्तर-पूर्व में स्थित कोस्त्यान्तिनिव्का पर नियंत्रण पा लेते हैं, तो वे आगे क्रामातोर्स्क और स्लोवियांस्क की ओर बढ़ सकेंगे – जो डोनेट्स्क क्षेत्र के यूक्रेन-नियंत्रित सबसे बड़े शहर हैं।

जमीन पर हालात अब भी अस्पष्ट : यूक्रेनी ओपन-सोर्स मानचित्र डीपस्टेट के अनुसार, रूसी सैनिक फिलहाल शहर के दक्षिणी हिस्से के एक छोटे भाग पर नियंत्रण में हैं, जबकि बाकी क्षेत्र को 'ग्रे ज़ोन' बताया गया है - यानी किसी भी पक्ष का पूरा नियंत्रण नहीं है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मीडिया चैनल ज्वेज्दा ने दावा किया कि यूक्रेनी सैनिक आत्मसमर्पण कर रहे हैं और दो बंदी सैनिकों का वीडियो जारी किया, लेकिन रॉयटर्स इस वीडियो की पुष्टि नहीं कर सका। इस बीच, कीव ने बताया कि उसने एक हेलीकॉप्टर से विशेष बलों की टीम को पोकरोव्स्क में भेजा है ताकि रूसी बढ़त को रोका जा सके। रूस का कहना है कि उसने उस मिशन में शामिल 11 यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया, जबकि यूक्रेनी अधिकारियों ने इस दावे को खारिज किया और कहा कि अभियान अब भी जारी है। यूक्रेनी सेना के अनुसार, पोकरोव्स्क की स्थिति 'कठिन और बदलती हुई' है, लेकिन उन्होंने शहर के कुछ हिस्सों में 'रणनीतिक रूप से बेहतर स्थिति' हासिल की है।

डोनबास पर कब्जे की कोशिश जारी : रूस डोनबास क्षेत्र (लुहान्स्क और डोनेट्स्क प्रांतों) पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। यूक्रेन वर्तमान में डोनबास के पश्चिमी हिस्से का लगभग 10 प्रतिशत क्षेत्र – करीब 5,000 वर्ग किलोमीटर – अपने नियंत्रण में रखे हुए है। पोकरोव्स्क की लड़ाई यह तय कर सकती है कि पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष की दिशा किस ओर मुड़ेगी, कीव के बचाव की ओर या मॉस्को के बढ़ते कब्जे की तरफ।

सीरियाई राष्ट्रपति अहमद शरआ जल्द कर सकते हैं वॉशिंगटन की यात्रा : अमेरिकी दूत

मनामा, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के विशेष दूत टॉम बैरक ने शनिवार को कहा कि सीरिया के राष्ट्रपति अहमद शरआ निकट भविष्य में वॉशिंगटन की यात्रा कर सकते हैं। बैरक ने बहरीन में आयोजित वार्षिक वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन 'मनामा डायलॉग' के दौरान संवाददाताओं से कहा कि इस दौरे के दौरान सीरिया के अमेरिका-नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल होने की 'उम्मीद' है, जो इस्लामिक स्टेट (आईएस) जैसे आतंकी संगठन के खिलाफ लड़ाई में सक्रिय है। यदि यह यात्रा होती है, तो यह राष्ट्रपति शरआ की संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी यात्रा होगी। इससे पहले उन्होंने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क का दौरा किया था। गौरतलब है कि पिछले वर्ष दिसंबर में बशर अल-असद से सत्ता संभालने के बाद, राष्ट्रपति शरआ ने कई देशों की यात्राएं की हैं, जिनका उद्देश्य उन वैश्विक शक्तियों के साथ सीरिया के संबंधों को पुनर्स्थापित करना है जिन्होंने असद शासन के दौरान दमिश्क से दूरी बना ली थी। सीरिया अभी तक 2014 में गठित उस अमेरिकी नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं है, जिसका उद्देश्य इस्लामिक स्टेट को समाप्त करना था। इस संगठन ने 2014 से 2017 के बीच सीरिया और इराक के लगभग एक-तिहाई हिस्से पर कब्जा कर लिया था और वहां कट्टरपंथी शरीया कानून लागू किया था। बाद में, अमेरिकी गठबंधन बलों और उनके स्थानीय साझेदारों ने आईएस को 2019 में उसके अंतिम गढ़ से बाहर कर दिया। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, इस्लामिक स्टेट अब असद शासन के पतन के बाद सीरिया और पड़ोसी इराक में पुनर्गठन की कोशिश कर रहा है। अगर शरआ का यह वॉशिंगटन दौरा सफल रहता है, तो यह न केवल दमिश्क और वॉशिंगटन के बीच संबंधों के सामान्यीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा, बल्कि सीरिया के नई अंतरराष्ट्रीय भूमिका की भी शुरुआत साबित हो सकता है।

नीदरलैंड्स के पीएम बन सकते हैं समलैंगिक रॉब जेटन

एम्सटर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड्स में सेंट्रिस्ट लिबरल डेमोक्रेट्स 66 पार्टी के नेता रॉब जेटन अगले पीएम बन सकते हैं। एग्जिट पोल्स के मुताबिक, उनकी पार्टी को करीब 30 सीटें मिल सकती हैं, जो कट्टर दक्षिणपंथी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की पार्टी फॉर फ्रीडम के बराबर है। अगर यह एग्जिट पोल असल आंकड़ों में बदलते हैं तो 38 साल के रॉब देश के सबसे युवा और पहले ओपनली गे (खुले तौर पर समलैंगिक) पीएम भी बनेंगे। जेटन की अगले साल उनके मंगेतर निकोलस कीनन से शादी होने वाली है। निकोलस अर्जेंटीना की पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी हैं। यह रिजल्ट गीर्ट वाइल्डर्स के लिए बड़ा झटका होगा। उन्होंने अपना चुनावी कैंपेन मुस्लिम अप्रवासियों, समलैंगिकों और जलवायु परिवर्तन की नीतियों के खिलाफ चलाया था। 2022 में नूपुर शर्मा ने जब पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान दिया था, तब गीर्ट वाइल्डर्स ने खुलकर उनका समर्थन किया था।

टिकटॉक वीडियो वायरल हुआ तो फेमस हुए : साल 2021 में, जेटन और उनके एक साथी डच राजनेता के बीच का एक ब्रोमांस वाला ट्रेडिंग वीडियो टिकटॉक पर बहुत वायरल हुआ था। इसमें दोनों नेता एक दूसरे के साथ मस्ती करते, हंसते और डांस करते दिखे थे। वीडियो वायरल होने के बाद रॉब जेटन युवाओं के बीच मशहूर हो गए। उसी दौरान जेटन की मुलाकात हॉकी प्लेयर निकोलस कीनन से हुई। कीनन अर्जेंटीना की नेशनल टीम में खेलने के अलावा यूरोपीय लीग में भी खेलते हैं। कीनन ने एक सुपरमार्केट में जेटन को पहचान लिया और वहीं से बातचीत शुरू हुई। जेटन ने बाद में एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि एक टिकटॉक ट्रेंड से उनकी जिंदगी इतनी बदल जाएगी। पिछले साल नवंबर 2024 में दोनों की सगाई हुई। जेटन ने अपने चुनावी कैंपेन में पॉजिटिव मैसेजिंग पर जोर दिया था। उनका इलेक्शन स्लोगन हां, हम कर सकते हैं काफी फेमस हुआ था। उन्होंने आवास संकट, हेल्थकेयर खर्च, माइग्रेशन और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर फोकस किया। जेटन ने कहा- हमने दिखा दिया कि पॉपुलिस्ट और एक्सट्रीम-राइट को हराना संभव है।

वेनेजुएला में विपक्ष अमेरिकी कार्रवाई पर बंटा, सीनेटरों ने ड्रग रणनीति पर मांगे जवाब

काराकास/वाशिंगटन, एजेंसी। वेनेजुएला के खिलाफ संभावित अमेरिकी कार्रवाई को लेकर देश के विपक्षी नेताओं में गहरे मतभेद सामने आए हैं, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि इन हमलों के पीछे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अपदस्थ करने की साजिश हो सकती है। सितंबर से अब तक कैरिबियाई सागर और प्रशांत महासागर में अमेरिकी हमलों में दर्जनों लोग मारे गए हैं। उधर अमेरिका में कांग्रेस के उच्च सदन सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ड्रग तस्करी' विरोधी रणनीति पर स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित वेनेजुएला की मारिया कोरिना माचाडो ने ट्रंप की नीतियों का समर्थन किया है, जो राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को

अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बताते हैं। उन्होंने अमेरिकी खुफिया एजेंसी 'सीआईए' की गुप्त कार्रवाइयों और सैन्य तैनाती का स्वागत किया। हालांकि दो बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहें हेनरिके कैप्रिल्स ने अमेरिकी सशस्त्र हस्तक्षेप का विरोध करते हुए मादुरो सरकार और अमेरिका के बीच बातचीत की वकालत की है। कैप्रिल्स ने माचाडो गुट को 'चरमपंथी' करार दिया, जबकि माचाडो के सलाहकार मैगाली मेडा ने इस बाबत विपक्ष की एकजुटता का दावा किया। इस बीच विश्लेषकों का कहना है कि विपक्ष का विभाजन वेनेजुएला के नागरिकों को दुविधा में डाल रहा है। इस मसले पर कतर ने मध्यस्थता की पेशकश की है, लेकिन अभी इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। वर्ष 2024 चुनाव में विपक्षी उम्मीदवार की शानदार जीत के बावजूद मादुरो तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ले चुके हैं। वह अमेरिकी हमलों को सत्ता परिवर्तन की साजिश बता रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार, 70 प्रतिशत वेनेजुएलाई नागरिक मादुरों शासन के खिलाफ हैं, जबकि 60 प्रतिशत माचाडो के नेतृत्व में अमेरिकी समर्थन चाहते हैं। उधर, अमेरिका में सीनेट आर्म्ड सर्विसेज समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष रोजर विकर और डेमोक्रेट जेक रीड ने ट्रंप प्रशासन से वेनेजुएला के 'ड्रग कार्टेल' के खिलाफ नौका हमलों के कानूनी आधार और 'कार्यकारी आदेश' की मांग की है। हालांकि इस बाबत सितंबर 23 और अक्टूबर 6 के उनके पत्रों का अभी कोई जवाब नहीं मिला है। हालांकि ट्रंप ने शुक्रवार को वेनेजुएला पर हमलों की योजना की बात से इनकार किया और इतना ही कहा कि वह अमेरिकी सैन्य ताकत को दुरूस्त कर रहे हैं।

मिस्र ने खोला प्राचीन सभ्यता को समर्पित विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय

काहिरा, एजेंसी। मिस्र ने शनिवार को अपनी प्राचीन सभ्यता की विरासत को समर्पित ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम (जीईएम) का भव्य उद्घाटन किया। दो दशकों से निर्माणाधीन यह विश्व का सबसे बड़ा संग्रहालय है, जो न केवल मिस्र की ऐतिहासिक धरोहर को एक छत के नीचे समेटेगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को नई ऊर्जा देने की उम्मीद भी जगाता है। गिजा के प्रसिद्ध पिरामिड और स्फिंक्स के पास स्थित यह म्यूजियम 50,000 से अधिक प्राचीन वस्तुओं को प्रदर्शित करता है, जिनमें फराओ-कालीन जीवन की झलक देखने को मिलती है। खास बात यह है कि यहां राजा तुचतनखामुन की समाधि से मिली संपूर्ण धरोहर को पहली बार एक साथ प्रदर्शित किया गया है, जो 1922 में खोजे जाने के बाद अब तक कहीं एक स्थान पर नहीं रखी गई थी।

'मानवता की एक सिम्फनी' का मंच : उद्घाटन समारोह में कई विश्व नेताओं, राजपरिवारों और सरकार प्रमुखों ने हिस्सा लिया। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सीसी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह संग्रहालय 'प्राचीन मिस्रवासियों की प्रतिभा और आधुनिक मिस्रवासियों की रचनात्मकता का संगम' है, जो विश्व संस्कृति और कला को एक नया आयाम देगा। इस मौके पर काहिरा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और शनिवार को राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया। संग्रहालय के प्रांगण में भव्य मंच पर ऑर्केस्ट्रा और कलाकारों ने 'ग्लोबल सिम्फनी ऑफ ह्यूमैनिटी' नामक संगीत प्रस्तुति दी। उद्घाटन से एक रात पहले सैकड़ों ड्रोन ने आसमान में राजा तुतनखामुन के मुखौटे और रथ की शानदार लाइट शो प्रस्तुति दी थी, जिसने वातावरण को और भी रहस्यमय बना दिया था।

अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगा म्यूजियम : संग्रहालय के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के सदस्य और उद्योगपति सर मोहम्मद मंसूर के अनुसार, जीईएम हर साल करीब 50 लाख पर्यटकों को आकर्षित करेगा। यह संख्या इसे विश्व के सबसे लोकप्रिय संग्रहालयों की श्रेणी में लाकर खड़ा करेगी। उन्होंने कहा कि इसका देश की अर्थव्यवस्था पर 'अत्यंत सकारात्मक प्रभाव' पड़ेगा। 2014 में सत्ता संभालने के बाद राष्ट्रपति सीसी ने कई मेगा प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, जिनका उद्देश्य मिस्र की जड़ हो चुकी अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकना है। ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम उन्हीं में से एक है, एक ऐसा स्मारक जो न केवल मिस्र की गौरवशाली सभ्यता का प्रतीक बनेगा, बल्कि आधुनिक मिस्र की प्रगति का भी प्रतीक चिन्ह साबित होगा।

तंजानिया की राष्ट्रपति हसन विवादित चुनाव में भारी मतों से जीतीं

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया की राष्ट्रपति समिया सुलुहू हसन ने देश के विवादित चुनाव के शनिवार तड़के घोषित आधिकारिक नतीजों में जबरदस्त जीत हासिल की है। हालांकि विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि यह चुनाव कोई मुकाबला नहीं, बल्कि राष्ट्रपति हसन का ताजपोशी समारोह था। खबरों के अनुसार चुनाव में उन्हें 97% से ज्यादा वोट हासिल हुए जो एक तरह का रिकार्ड है। हालांकि हसन के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया गया और उन्हें केवल छोटे दलों के 16 उम्मीदवारों का सामना करना पड़ा। इस बीच 29 अक्टूबर को हुए ये चुनाव भारी हिंसा के बीच सम्पन्न हुए हैं जिसमें कई लोगों के मारे जाने की खबर है। कई शहरों में चुनावों को एकतरफा बताते हुए प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और वोट गिनती रोकने की कोशिश की। सेना को पुलिस की मदद के लिए तैनात किया गया है । इस बीच अधिकारियों ने हिंसा में मारे गए या घायल लोगों की संख्या नहीं बताई। हालांकि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के प्रवक्ता सेइफ मगंगो ने शुक्रवार को जिनेवा में वीडियो के जरिए व्यापारिक राजधानी दार अस सलाम, शिन्यांगा और मोरोगोरो शहरों में 10 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की हैं। खबरों के मुताबिक देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी 'चाडेमा' के नेता तुंडू लिस्सू महीनों से जेल में बंद हैं। उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया है क्योंकि उन्होंने चुनाव सुधारों की मांग की थी। वहीं एक अन्य विपक्षी नेता, एक्ट-वजालेंदो समूह के लुहागा म्पिना को उम्मीदवार बनने से रोक दिया गया। तंजानिया में सत्ताधारी 'चामा चा माफिंदुजी' या 'सीसीएम पार्टी' दशकों से सत्ता पर काबिज है, जबकि विपक्षी नेता इस बार राजनीतिक बदलाव लाने की उम्मीद कर रहे थे। हसन ने अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है या फिर चुनावों में भाग ही नहीं लेने दिया है। देश में एक्स (पूर्व ट्विटर) और तंजानियाई डिजिटल प्लेटफॉर्म 'जामीयफोरम्स' पर पाबंदी है। उनके खिलाफ आवाज उठाने वालों को धमकी या गिरफ्तारी से चुप करा दिया गया। सत्ताधारी सीसीएम पार्टी के तार चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े हैं जो 1961 में देश की ब्रिटेन से आजादी के बाद से ही सत्ता पर काबिज है।

अफ़ग़ानिस्तान के साथ 'शत्रुता' और नहीं बढ़ाना चाहते-पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा है कि वह अफ़ग़ानिस्तान के साथ 'शत्रुता' को और नहीं बढ़ाना चाहता है बल्कि वह आशा करता है कि तालिबान शासक अफ़ग़ानिस्तान की धरती से सक्रिय विद्रोहियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करके उसकी सुरक्षा संबधी चिंताओं का समाधान करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने शुक्रवार को यह बात कही। यह टिप्पणी उस समय आई है जब एक दिन पहले ही पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान ने तुर्किए और कतर की मध्यस्थता में लगभग एक सप्ताह तक चली वार्ता के बाद युद्ध विराम कायम रखने पर सहमति व्यक्त की थी, ताकिक्षेत्र में व्यापक संघर्ष को रोका जा सके। अंद्राबी की इस टिप्पणी को दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव कम होने का संकेत माना जा रहा दिया है। गौरतलब है कि अक्तूबर की शुरुआत से ही दोनों पक्षों के बीच सीमा पर हुई गोलीबारी में दर्जनों सैनिक, नागरिक और विद्रोही मारे गए थे। इस बीच कतर ने दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडलों को दोहा आमंत्रित किया है, जहाँ वे 19 अक्टूबर को युद्धविराम पर सहमत हुए। इसके बाद तुर्किये में इस्तांबुल में छह दिनों तक बातचीत हुई, जो गुरुवार रात तक जारी रही। इस वार्ता में दोनों पक्ष युद्धविराम कायम रखने पर सहमत हुए हैं। इस शांति वार्ता के बाद, दोनों पक्ष युद्धविराम को लागू करने संबधी कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के लिए छह नवंबर को इस्तांबुल में फिर से बैठक करेंगे। अंद्राबी ने द्विपक्षीय वार्ता को सफल बनाने में कतर और तुर्किये की भूमिका की प्रशंसा की।

युद्धविराम के बावजूद, दोनों देशों ने प्रमुख सीमा चौकियों को बंद रखा हैं, जिससे माल से भरे सैकड़ों ट्रक और हज़ारों शरणार्थी दोनों तरफ़ फँसे हुए हैं। अंद्राबी के अनुसार सुरक्षा कारणों से अफ़ग़ानिस्तान के साथ सभी सीमा चौकियां व्यापार के लिए फिलहाल बंद हैं, लेकिन शरणार्थियों को कम से कम दक्षिण-पश्चिमी चमन सीमा चौकी से अफगानिस्तान लौटने में मदद की जा रही हैं। उधर, अफगानिस्तान में काबुल में, गृह मंत्रालय की सीमा पुलिस के प्रवक्ता अबीदुल्लाह उकाब फ़ारूक़ी ने कहा कि उत्तर-पश्चिमी तोरख़म सीमा चौकी शनिवार को शरणार्थियों के लिए फिर से खोल दी जाएगी। हालांकि इस बाबत पाकिस्तान की ओर से कोई घोषणा नहीं की गई है। वर्तमान घटनाक्रम में एक दिन पहले पाकिस्तान में अफ़ग़ानिस्तान के राजदूत अहमद शकीब द्वारा 'एक्स' पर एक लेख साझा किया गया था जिसमें उन्होंने कहा शिकायत की थी कि पाकिस्तान द्वारा सीमा चौकियां बंद करने के कारण बड़ी संख्या में अफ़ग़ान शरणार्थी वहां फँसे हुए हैं। इस पर अंद्राबी ने एतराज जताते हुए कहा कि अफ़ग़ानिस्तान के राजदूत ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के माध्यम से बातचीत करने के बजाय सोशल मीडिया पर अपनी शिकायतें व्यक्त करके 'राजनयिक' मानदंडों का उल्लंघन किया है।

शानदार प्रदर्शन के बाद दिल्ली पहुंचेगी चैंपियन टीम इंडिया, पीएम मोदी से होगी भेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला विश्व कप 2025 का समापन भारतीय महिलाओं द्वारा अपने पहले खिताब जीतने के साथ हुआ। 2 नवंबर को डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में हुए टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं को हराकर भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के इतिहास रचने पर पूरा देश खुशी से झूम उठा। इस जीत के साथ ही, अब टीम के नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम 4 या 5 नवंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के लिए दिल्ली जाएगी।

विश्व कप फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 298 रन बनाए। इसके बाद टीम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 246 रनों पर रोक दिया और 52 रनों से मैच जीतकर अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीता। भारत की जीत सुनिश्चित होने के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विटर पर महिला टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी बताया कि यह जीत आने वाली पीढ़ी को खेलों में शामिल होने के लिए कैसे प्रेरित करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम की शानदार जीत। फाइनल में उनका प्रदर्शन अद्भुत कौशल और आत्मविश्वास से भरा था। टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण टीम वर्क और दृढ़ता दिखाई। हमारी खिलाड़ियों को बधाई। यह ऐतिहासिक जीत भविष्य की चैंपियन टीमों को खेलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेगी।' अपनी ऐतिहासिक जीत के बाद, टीम देर रात तक जश्न मनाती रही। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने खिलाड़ियों के अपने परिवारों के साथ जश्न मनाते हुए कई वीडियो और तस्वीरें साझा कीं, जिनमें अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी और मिताली राज जैसी पूर्व खिलाड़ी भी शामिल हुईं।

सिनर ने जीता पेरिस मास्टर्स,

अल्काराज़ से छीनी विश्व नंबर-1 की कुर्सी

पेरिस (एजेंसी)। इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम किया और साथ ही विश्व नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्जा जमा लिया। फाइनल में उन्होंने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(4) से हराया। 24 वर्षीय सिनर के लिए यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक रही। उन्होंने न केवल अपना पहला पेरिस मास्टर्स खिताब जीता बल्कि बिना एक भी सेट गंवाए टूर्नामेंट जीतने वाले इतिहास के चौथे खिलाड़ी बने। यह सिनर का इस वर्ष का पांचवां खिताब है और उन्होंने लगातार 26वीं इनडोर हार्डकोर्ट जीत दर्ज की। फाइनल के बाद सिनर ने कहा, ÷यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल है। हमने पिछले कुछ महीनों में लगातार मेहनत की है और अब उसका नतीजा देखना बेहद संतोषजनक है।÷

वहीं, ऑगर-अलियासिम के लिए यह हार निराशाजनक रही। उन्हें ट्यूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में जगह बनाने के लिए यह खिताब जीतना जरूरी था, लेकिन वे मौका गंवा बैठे। इस जीत के साथ सिनर ने स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ को पीछे छोड़ते हुए एक बार फिर टेनिस जगत की शीर्ष रैंकिंग हासिल कर ली है।

महिला टीम पर हुई पैसे की बारिश, बीसीसीआई ने आईसीसी से अधिक इनाम घोषित किया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए अपना खजाना खोल दिया है। बीसीसीआई ने विजेता भारतीय टीम के लिए जो इनामी राशि घोषित की है वह आईसीसी की इनामी राशि से भी अधिक है।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर खिताबी जीत दर्ज की है। आईसीसी ने इसके बाद भारतीय टीम को 4.48 मिलियन अमेरिकी डॉलर करीब 39.78 करोड़ रुपए की इनामी राशि दी है। वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को 51 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

सैकिया ने कहा, साल 1983 में कप्तानी कपिल देव ने भारतीय टीम को विश्वकप में जीत दिलाकर क्रिकेट में एक नए युग की शुरुआत की थी। आज महिलाओं ने भी वही किया है। हरमनप्रीत और उनकी टीम ने आज न केवल ट्रॉफी जीती है, बल्कि उन्होंने सभी भारतीयों का दिल भी जीता है। इससे महिला क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए एक अच्छी राह बनी ही। टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही महिला क्रिकेट अगले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं खिताबी जीत से वह शीर्ष पर पहुंच गया है। इससे उभरती हुई क्रिकेटरों को प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने साथ ही कहा, जय शाह के बीसीसीआई अध्यक्ष रहने के दौरान वह महिला क्रिकेट में कई बदलाव लाए थे जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंनं वेतन समानता पर भी ध्यान दिया था। इसके बाद आईसीसी अध्यक्ष बनने के बाद शाह ने महिलाओं की पुरस्कार राशि 300 फीसदी बढ़ा दी। पहले पुरस्कार राशि 2.88 मिलियन डॉलर थी, और अब इसे बढ़ाकर 14 मिलियन डॉलर कर दिया गया है। इन सभी कदमों ने महिला क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिला है।

आईपीएल 2026: एसआरएच का बड़ा फैसला, रणजी में फॉर्म में लौटे गेंदबाज को रिलीज नहीं करेगी टीम

हैदराबाद (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद सनराइजर्स हैदराबाद अपने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को रिलीज या किसी अन्य फ्रेंचाइज़ी को ट्रेड करने के पक्ष में नहीं है। शमी, जिन्होंने पिछली आईपीएल सीजन में महज छह विकेट लिए थे, इस समय रणजी ट्रॉफी 2025-26 में लाजवाब फॉर्म में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शमी के लिए कुछ टीमों ने ट्रेड ऑफर दिए थे, लेकिन SRH ने सभी प्रस्ताव ठुकरा दिए। टीम प्रबंधन का मानना है कि 35 वर्षीय शमी ने फिटनेस और लय दोनों वापस पा ली है। उन्होंने गुजरात के खिलाफ शानदार पांच विकेट झटके और बंगाल के ओपनिंग मैच में सात विकेट लेकर चयनकर्ताओं को प्रभावित किया।

सूत्रों के अनुसार, नए चयनकर्ता आरपी सिंह ने भी शमी से उनकी वापसी को लेकर चर्चा की। माना जा रहा है कि अगर प्रदर्शन जारी रहा, तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शामिल किया जा सकता है। इस बीच, खबरें यह भी हैं कि SRH ईशान किशन को रिलीज कर सकती है, जिनके लिए मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स दिलचस्पी दिखा रही हैं।

दिग्गज क्रिकेटरों के साथ ही एमसीए ने दी हरमनप्रीत सहित भारतीय महिला टीम को बधाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर दिग्गज क्रिकेटरों वेंकटेश प्रसाद, ईशांत शर्मा, सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स के साथ ही मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने टीम को बधाई दी है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वेंकटेश प्रसाद ने सोशल मीडिया में लिखा, कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम को ऐतिहासिक विश्व कप जीत पर ढेर सारी बधाई! आपके कौशल, दृढ़ संकल्प और जज्बे ने एक पीढ़ी को प्रेरित किया है और देश को बेहद गौरवान्वित किया है।

वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने लिखा, विश्व चैंपियन! हमारी महिला भारतीय क्रिकेट टीम का

अविश्वसनीय प्रदर्शन, सच्चा टीम वर्क, दृढ़ता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन। हर खिलाड़ी ने पूरे जुनून से खेला और विश्व कप जीत। बहुत गर्व है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज एबी डिलीवियर्स ने लिखा, टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम को भी फाइनल में पहुंचने पर गर्व होना चाहिए। महिला क्रिकेट दुनिया भर में तरक्की कर रहा है। यह टूर्नामेंट और फाइनल मैच दोनों काफी शानदार रहे। वहीं पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने लिखा, इतिहास रच दिया! हमारी महिला टीम ने अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों तक याद रखी जाएगी। यह उनके जज्बे, हिम्मत और भरोसे की शानदार जीत है! आपने एक अरब लोगों के दिलों को गर्व से भर दिया है!

इसके अलावा पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने लिखा, इन खिलाड़ियों के सफर को मैंने करीब से देखा है, और मैं कह सकता हूं कि यह ऐतिहासिक जीत उनकी अच्छी तैयारी, लगातार कोशिश और अटूट इरादे का परिणाम है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने हर मुश्किल का सामना शानदार अनुशासन, विश्वास और एकता के साथ किया। उनका सकारात्मक रवैया और समर्पण कभी कम नहीं हुआ। यह वर्ल्ड कप जीत दिखाती है कि जब सपना, मेहनत और भरोसा एक साथ मिलते हैं, तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

एमसीए ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया, इतिहास रच दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला विश्व कप जीतने पर बधाई। आपके जुनून, दृढ़ता और शक्ति ने करोड़ों दिलों को गर्व से भर दिया है।

भारतीय तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली : ब्रैडी एलिसन

नई दिल्ली । अमेरिका के शीर्ष तीरंदाज ब्रैडी एलिसन आजकल आयोजित तीरंदाजी प्रीमियर लीग (एपीएल) के लिए भारत आये हुए हैं। इसी दौरान ब्रैडी ने कहा कि भारत हमेशा ओलंपिक पदक की दौड़ में रहता है। उसके तीरंदाज काफी प्रतिभाशाली है। उन्होंने कहा, ''भारत के पास आज विश्व कप और अन्य चैंपियनशिप में ढेरों पदक हैं। अगर आप अपने सर्वश्रेष्ठ दो रिकर्व तीरंदाजों को मिश्रित टीम में उतारें, तो किसी भी टीम के लिए उन्हें हराना बहुत कठिन होगा।卐 गौरतलब है कि तीरंदाजी को लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक में पहली बार कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा, '' भारतीय तीरंदाजों के पदक की संभावना सिर्फ कंपाउंड में नहीं बल्कि रिकर्व में भी काफी अधिक है। अभी कई भारतीय तीरंदाज काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही कहा कि ओलंपिक अभी तीन साल दूर है, पर भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।'' एलिसन ने कहा कि किसिक ली को नए रिकर्व मुख्य कोच के रूप में नियुक्त करने की भारतीय तीरंदाजी संघ की योजना एकदम सही है। उन्होंने कहा, '' वह दुनिया के सबसे अच्छे कोच में से एक है। उन्होंने जहां भी काम किया है वहां ओलंपिक पदक और विश्व चैंपियन दिए हैं। यह भारत के लिए लाभप्रद साबित होंगे।'' साथ ही कहा कि मैंने भी अपने करियर के शुरुआती दौर में कोच किसिक ली से प्रशिक्षण लिया था।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने बताया भारतीय महिला टीम की जीत का कारण

-भारत की किसी भी टीम को हराना कठिन

नई दिल्ली। इंग्लैंड की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विश्वकप जीत पर प्रशंसा करते हुए कि है पिछले कुछ समय से वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। हुसेन ने कहा कि उसके खिलाड़ी फार्म में थे और उसने आईसीसी खिताब जीतने का लक्ष्य हासिल कर ही लिया। हुसैन ने कहा है कि क्रिकेट की बात करें तो भारत की पुरुष टीम हो या महिला टीम उसे हराना बेहद कठिन होता है। उन्होंने कहा कि डब्लयूपीएल शुरु होने से भी भारतीय महिला क्रिकेटर बेहतर हुई हैं। हुसैन ने कहा, 'पिछले कुछ साल में भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्वकप के दौरान उनकी टीम शानदार रही। टूर्नामेंट के बीच में उन्हें थोड़ी परेशानी हुई पर उन्होंने अच्छी शुरुआत की और अंत भी अच्छा किया।' साथ ही कहा, फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की तुलना में भारत की कई खिलाड़ी फॉर्म में थीं। अगर आप भारतीय लाइनअप पर नजर डालें, तो टूर्नामेंट के अंत तक कई खिलाड़ी अच्छी फॉर्म में थे। दूसरी ओर से दक्षिण अफ्रीकी टीम बल्लेबाजी में एक या दो खिलाड़ियों पर ज्यादा निर्भर रही है। इसीलिए उसे अतिरिक्त बल्लेबाज खिलाना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने भी अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने भी बहुत अच्छा क्रिकेट खेला पर भारत क्रिकेट में बहुत अच्छा है, जैसा कि हमने दुनिया के इस हिस्से में देखा है, पुरुष हो या महिला टीम, किसी भी प्रारुप में, उन्हें हराना बहुत कठिन है।भारतीय टीम ने पहले दो मैच टूर्नामेंट में जीते थे पर अगले तीन मैचों में टीम को हार मिली थी। हार की हैट्रिक के बाद भी टीम दबाव में नहीं आयी और उसने जीत के साथ वापसी करते हुए इतिहास रच दिया।

क्रिस गेल सहित कई पूर्व स्टार क्रिकेटरों के साथ हुआ स्कैम, श्रीनगर के होटल में फंसे

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर से नए क्रिकेट टैलेंट को खोजने के लिए एक बड़े इवेंट के तौर पर पेश की गई इंडियन हेवन प्रीमियर लीग (IHPL) एक स्कैम साबित हुई है। लीग के ऑर्गनाइजर भाग गए हैं जिससे क्रिस गेल जैसे कई पूर्व इंटरनेशनल स्टार क्रिकेटर्स बिलों का पेमेंट न होने के कारण यहां एक होटल में फंसे हुए हैं। IHPL, जो अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में यहां बड़े धूमधाम से शुरू हुई थी, मोहाली बेस्ड युवा सोसाइटी ने ऑर्गनाइज की थी।

गेल, डेवोन स्मिथ, जेसी राइडर और शाकिब-अल-हसन जैसे पूर्व क्रिकेटरों के बड़े-बड़े बिलबोर्ड शहर भर में कई जगहों पर लगाए गए थे, जिसमें बताया गया था कि ये मेगास्टार लोकल खिलाड़ियों के साथ इस लीग में खेलेंगे, जो 8 नवंबर को खत्म होने वाली थी। ज़्यादातर मैच बख्शी स्टेडियम में खेले गए जिसमें इंटरवल के दौरान लाउडस्पीकर पर म्यूजिक बजता था। हालांकि यह लीग शनिवार को अचानक खत्म हो गई क्योंकि खिलाड़ियों ने बकाया पेमेंट न मिलने के कारण मैचों में आने से मना कर दिया। ऑर्गनाइजर गायब हो गए, जिससे होटल वालों ने खिलाड़ियों को तब तक जाने से रोक दिया जब तक उनका बकाया क्लियर नहीं हो जाता।

यह मामला तब सामने आया जब मेलिसा जूनिपर, जो इस इवेंट में अंपायर थीं, ने कहा कि उन्हें पेमेंट नहीं मिला है। जूनिपर ने कहा, 'हमें कोई पेमेंट नहीं मिला है।' उन्होंने आगे कहा कि होटल स्टाफ ने उन्हें 'गायब ऑर्गनाइजर' के बारे में बताया। हालांकि पुलिस होटल गई थी, लेकिन इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है कि पुलिस ने कोई कार्रवाई शुरू की है या नहीं।

गेल उन कई खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने पिछले साल कश्मीर में लेजेंड्स लीग क्रिकेट टूर्नामेंट में खेला था। यह इवेंट, जो इस साल की IHPLकी तरह ही एक प्राइवेट इवेंट था, ने स्टेडियम में भारी भीड़ खींची थी क्योंकि लोकल लोगों को लगभग 40 साल में पहली बार इंटरनेशनल खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिला था। परमिंदर सिंह, जो युवा सोसाइटी के चेयरमैन के तौर पर लिस्टेड हैं, शायद लेजेंड्स लीग की सफलता से प्रभावित होकर कश्मीर में IHPL ऑर्गनाइज करने के लिए प्रेरित हुए होंगे।

उन्होंने जम्मू और कश्मीर स्पोर्ट्स कार्उंसिल के मालिक वाले बख्शी स्टेडियम को बुक किया और मैचों की मेजबानी के लिए किराया पहले ही दे दिया था। लीग खेलने के लिए 8 टीमें बनाई गईं जिसमें श्रीनगर सुल्तांस, जम्मू लायंस, लद्दाख हीरोज, पुलवामा टाइटन्स, उरी पैंथर्स, गुलमर्ग रॉयल्स, पटनीटॉप वॉरियर्स और किश्तवाड़ जायंट्स शामिल हैं। हर टीम में एक पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी था।

गेल और दूसरे इंटरनेशनल स्टार्स के होने के बावजूद IHPL में भीड़ नहीं जुटी। ऑर्गनाइजर्स ने टिकटों पर भारी डिस्काउंट दिया और टिकटों की बिक्री बढ़ाने की कोशिश में एक लोकल सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उमर जरगर की मदद ली, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सवाल पूछे जा रहे हैं कि ऑर्गनाइजर्स युवा सोसाइटी जिसे इतने बड़े लेवल की लीग आयोजित करने का कोई पिछला अनुभव नहीं था, उसे मैच होस्ट करने के लिए बख्शी स्टेडियम का इस्तेमाल करने की इजाजत कैसे दी गई।

स्पोर्ट्स कार्उंसिल की सेक्रेटरी नुजहत गुल ने कहा कि ऑर्गनाइजर्स वेन्यू का इस्तेमाल मैच होस्ट करने के लिए करना चाहते थे और उन्होंने पैसे भी दिए थे। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा IHPL से कोई लेना-देना नहीं है। मैं उद्घाटन समारोह में सिर्फ एक मेहमान के तौर पर मौजूद था।' युवा सोसाइटी ने अपनी वेबसाइट पर IHPL की घोषणा करते समय पूर्व क्रिकेटरों सुरेंद्र खन्ना और आशु दानी की तस्वीरों का इस्तेमाल किया, लेकिन यह नहीं बताया कि संगठन में इन दोनों की क्या भूमिका थी।

भारतीय महिला टीम की खिताबी जीत के पीछे कोच अमोल मजूमदार की रही है अहम भूमिका

नवी मुम्बई । हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्वकप जीत के साथ ही इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में हुए एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम की जीत में सभी खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही साथ ही इस जीत के सूत्रधार कोच अमोज मजूमदार भी रहे। मजूमदार स्वयं तो भारतीय टीम से खेलने का अपना सपना पूरा नहीं कर पाये पर उन्होंने महिला टीम को विश्व चैम्पियन जरुर बना दिया।

उन्हें दो साल पहले अक्टूबर 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया गया था। उसके बाद से ही वह टीम को नया रुप देने में लग गये थे। उन्होंने टीम में भरोसा पैदा किया कि वे आईसीसी खिताब जीतने में सक्षम है। इससे पहले होता ये आया था कि टीम बड़े मुकाबलों में दबाव में आ जाती थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसी कारण टीम दक्षिण अफ्रीका को हराने में सफल रही। साल 2005 और 2017 में टीम खिताबी मुकाबले में घैर्य खो बैठी थी पर इस बार ऐसा नहीं हुआ। टीम की जीत के बाद उन्होंने कहा, मेरे पास खुशी जाहिर करने के लिए शब्द नहीं है। ये बहुत ही गर्व का क्षण है। टीम ने कड़ी मेहनत और विश्वास के साथ हर भारतीय को गर्व करने का मौका दिया। मजूमदार ने प्रथम श्रेणी में 11 हजार से ज्यादा रन बनाये थे इसके बाद भी उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली थी। भारतीय टीम ने एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर जीत दर्ज की। जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत ने कोच अमोल मजूमदार के पैर छुए। इसका कारण है कि टीम की खिताबी जीत के शिल्पी कोच रहे। वह पर्दे के पीछे रहकर टीम का लगातार मार्गदर्शन करते रहे। मजूमदार ने अपने करियर में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, विनोद कांबली सहित कई दिग्गजों के साथ खेला था, ऐसे में उनके पास अनुभव का खजाना था। वह साल 1994 में भारतीय अंडर-19 टीम के उपकप्तान भी रहे थे। उन्होंने भारत ए की ओर से राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली के साथ भी खेला था। अमोल ने मुम्बई के लिए रणजी ट्रॉफी के अपने डेब्यू मैच में ही 260 रन बनाकर धमाका कर दिया था। वह एक ऐसे दौर में उभरे थे जिस समय भारतीय टीम के पास सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सौरव गांगुली जैसे सितारे थे। इस कारण अमोल को अवसर नहीं मिला। अमोल ने साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास ले लिया और इस तरह 21 साल का उनका क्रिकेटर करियर समाप्त हुआ। इसके बाद ही उन्हे भारतीय महिला टीम का कोच बनाया गया।

गंभीर ने भारतीय महिला टीम को बधाई दी , ये जीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आईसीसी महिला विश्व कप में मिली शानदार जीत पर भारतीय भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए कहा कि आपने न केवल इतिहास रचा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने का काम भी किया है। गंभीर ने टीम के जीत दर्ज करते ही कहा कि इससे भावी पीढ़ियों की लड़कियों को इस खेल को अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। भारतीय टीम ने साल 2005 और 2017 के फाइनल में मिली हार से उबरते हुए इस बार कोई गलती नहीं की। टीम को बधाई देते हुए, गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'आपने न केवल इतिहास रचा है, बल्कि एक ऐसी विरासत भी बनाई है जो आने वाली पीढ़ियों की लड़कियों को प्रेरित करेगी!' भारतीय क्रिकेट टीम ने खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर अपना पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीता।

महिला विश्व कप : यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा कैच, वोल्वार्ड्ट के कैच पर बोली अमनजोत कौर

नवी मुंबई (एजेंसी)। महिला विश्व कप के फाइनल में अपने शानदार क्षेत्ररक्षण से दक्षिण अफ्रीका की सलामी जोड़ी को पवेलियन भेजने में योगदान देने वाली अमनजोत कौर ने कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट के कैच को अपने अब तक के करियर का सबसे बड़ा कैच करार दिया। भारत ने रविवार का यहां फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त देकर पहली बार विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया।

अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स को रन आउट कर वोल्वार्ड्ट के साथ पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने इसके बाद 42वें ओवर में वोल्वार्ड्ट का शानदार कैच उस समय लपका जब वह शतक पूरा कर भारत और जीत के बीच खड़ी थी। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी आठ ओवर में 79 रन की जरूरत थी और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 169 रन बनाने वाली वोल्वार्ड्ट फाइनल में भी शतक पूरा करने के बाद बड़े शॉट खेलने की तैयारी में थी।

उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद को डीप मिडविकेट की तरफ खेला और अमनजोत के हाथ से गेंद दो बार छिटकी लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में कैच पूरा कर स्टेडियम में मौजद दर्शकों के साथ टीम के खिलाड़ियों में जोश भर दिया।। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'वह मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल कैच था, मैंने आज तक कभी मेरे हाथ से गेंद इस तरह से नहीं छिटकी थी। मैं या तो कैच लपकती थी या छूट जाता था। यह पहली बार है जब भगवान ने मुझे तीन मौके दिए।' उन्होंने कहा, 'वोल्वार्ड्ट का कैच काफी अहम था और उसके शतक के बाद हमें पता था कि वह एक छोर से बड़े शॉट खेलने की कोशिश करेगी।'

अमनजोत ने कहा कि वह गेंद और बल्ले की नाकामी को क्षेत्ररक्षण से पूरा करना चाहती थी। उन्होंने कहा, 'मैं बल्ले से बड़ा योगदान नहीं दे सकी थी और गेंदबाजी में भी बहुत प्रभावी नहीं थी, ऐसे में मेरा ध्यान बेहतर क्षेत्ररक्षण से उस कमी को पूरा करने पर था। मुझे पता था कि क्षेत्ररक्षण अच्छा रहेगा तो हम कुछ रन बचाकर दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ा सकते है।' अमनजोत ने दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें इससे पहले ब्रिट्स को रन आउट कर बढ़ दी थी। उनके सटीक थ्रो पर रन चुराने की कोशिश कर रही ब्रिट्स को पवेलियन लौटना पड़ा।

उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी के समय पिच थोड़ी बल्लेबाजी के अनुकूल हो गयी थी। हम यही बात कर रहे थे कि साझेदारी तोड़ना काफी जरूरी है। हम नहीं चाहते थे कि किसी भी मौके को हाथ से जाने दे। दूधिया रोशनी में ओस गिरने के बाद क्षेत्ररक्षण मुश्किल हो जाता है।'

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा

कोलंबो । श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

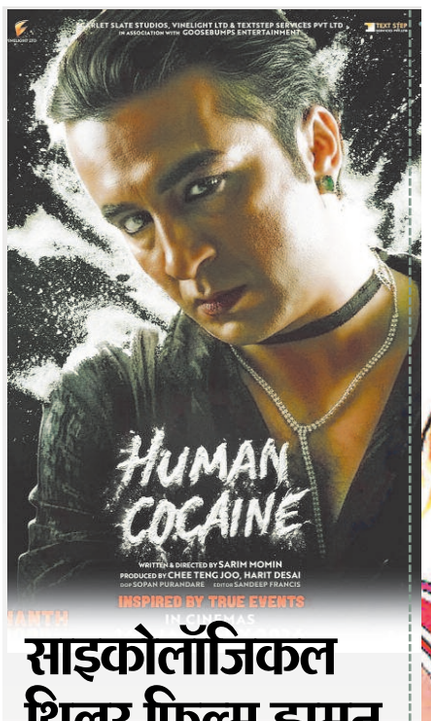

साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म ह्यूमन कोकेन में नजर आएंगे सिद्धांत कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर जहां इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में शुमार हैं। मैडॉक की स्त्री और स्त्री 2 जैसी फिल्मों ने उनके करियर को बुलंदी पर पहुंचाया है। वहीं, तुलनात्मक रूप से उनके भाई सिद्धांत कपूर का करियर काफी पीछे है। यूं तो इंडस्ट्री में उन्हें 12 साल गुजर गए, मगर पूरे करियर में वे सिर्फ एक हिट फिल्म का हिस्सा बन पाए हैं। इन दिनों सिद्धांत अपनी आगामी फिल्म को लेकर एक बार फिर चर्चा में हैं। सिद्धांत कपूर की आगामी फिल्म का नाम है, ह्यूमन कोकेन। यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। सिद्धांत के अलावा फिल्म में इशिता राज, जाकिर हुसैन, पुष्कर जोग और ब्रिटिश एक्टर्स नजर आएंगे। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें स्टारकास्ट के लुक शेयर किए हैं। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट बताई है। ह्यूमन कोकेन 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में सिद्धांत कपूर का लुक देखने लायक है। सिद्धांत कपूर बॉलीवुड फिल्मों में खूंखार विलेन का किरदार अदा करने वाले शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के बेटे हैं। श्रद्धा कपूर उनकी बहन हैं। सिद्धांत कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। सिद्धांत कपूर ने फिल्मों में करियर की शुरुआत असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की थी। उन्होंने ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर एन्ड फिल्म इंस्टीट्यूट से फिल्ममेकिंग और एक्टिंग का कोर्स किया। इसके बाद एक डिस्क जॉकी के रूप में शुरुआत की। सिद्धांत ने करीब दो साल तक प्रियदर्शन के साथ कई फिल्मों में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर काम किया। इनमें चुप चुपके, भूल भुलैया, भागम भाग, और ढोल जैसी फिल्में शामिल हैं।

2013 में शुरू किया अभिनय

सिद्धांत कपूर के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2013 में पहली बार फिल्म शूटआउट एट वडाला में अभिनय किया। इसमें जॉन अब्राहम लीड रोल में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही थी। इसके बाद सिद्धांत ने अगली में असिस्ट भी किया और एक छोटे से रोल में भी नजर आए। सिद्धांत जज्बा, हसीना पारकर, पलटन, हेलो चार्ली भूत-पार्ट 1 और चेहरे शामिल हैं। सिद्धांत वेब सीरीज भौकाल में भी नजर आ चुके हैं। उनका किरदार नेगेटिव था। इस साल सिद्धांत को नेटफ्लिक्स की सीरीज मंडला मर्डर्स में देखा गया था। इसके अलावा बहुत ही कम लोग जानते होंगे कि सिद्धांत ने 1997 में आई सलमान खान की फिल्म जुड़वां में भी अभिनय किया था। वह रंगीला के रूप में नजर आए थे।

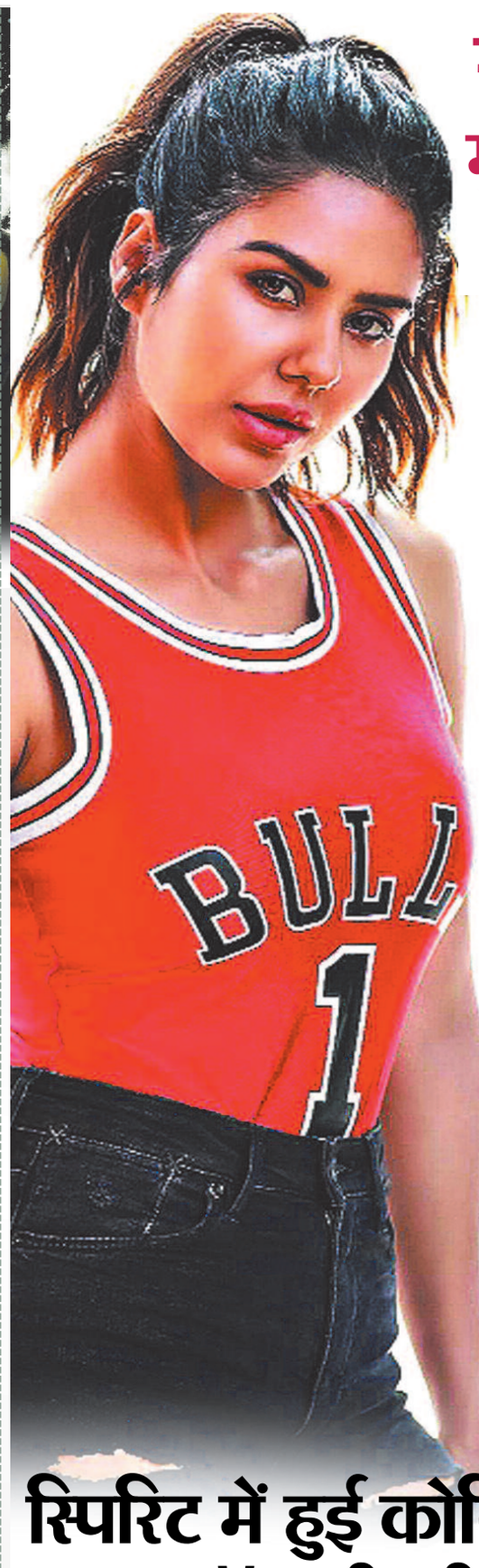

सोनम ने बताया कितना मुश्किल था फिल्म एक दीवाने की दीवानियत का किरदार?

फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में हर्षवर्धन राणे एक जुनूनी प्रेमी बने हैं। सोनम का रोल भी एकदम हटकर है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर रही है। फिल्म और अपने किरदार को लेकर सोनम ने कई दिलचस्प बातें साझा कीं।

आपको हर्षवर्धन के साथ मूवी करके कैसा लगा?

बहुत अच्छा लगा। बहुत कुछ सीखने को मिला मुझे। जब भी आपको इतने अच्छे एक्टर के साथ काम करने का मौका मिलता है, तो शानदार अनुभव रहता है। मैं बहुत ब्लेस्ड हूं। वह अपने काम को लेकर बहुत गंभीर हैं। ऐसे लोगों के साथ आप जब काम करते हैं तो आपकी फिल्म भी अच्छी बनती है और आपको काम करके भी मजा आता है। मेरा एक्सपीरियंस अच्छा रहा।

आपने इस फिल्म में इतना चैलेंजिंग रोल अदा किया है। कितना मुश्किल लगा?

मुश्किल से ज्यादा मैंने बहुत एंजॉय किया। एंजॉय इसलिए, क्योंकि मेरे पास ऐसा मौका आया, जिसका मैं इंतजार लंबे वक्त से कर रही थी। मुझे अभी भी लगता है कि जितना इमोशनल रोल मैं कर सकती हूं बतौर कलाकार, वह मौका अब भी नहीं मिला। मगर, जितना भी मौका मिला, मैंने किया। मुझे बहुत मजा आया। मुझे चैलेंजिंग रोल करके मजा आता है।

आप बहुत अच्छे से हिंदी बोल लेती हैं, क्योंकि फिल्म में बोली है। तो क्या शुरू से इतनी अच्छी हिंदी रही है?

मेरा जन्म उत्तराखंड में हुआ है। मेरी परवरिश यूपी में हुई है। मैं एक सिख परिवार में पली-बढ़ी हूं तो मुझे पंजाबी भी लिखनी, पढ़नी बोलनी सब आती है। हिंदी मैंने ऐसा कभी सोचा नहीं कि मेरी बहुत अच्छी है कि क्या है? मैं रोजमर्रा में हिंदी में बात करती हूं। ये मुझे लेकर परसेप्शन है कि मैं पंजाबी फिल्मों में काम करती हूं तो मेरी हिंदी ठीक नहीं है।

डॉन पलथारा की अगली फिल्म में दिलीश पोथन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी पार्वती थिरुवोथु

नेशनल अवॉर्ड विजेता पार्वती थिरुवोथु अब डॉन पलथारा की अगली फिल्म की हीरोइन बनने जा रही हैं. इस फिल्म में उनके साथ होंगे मलयालम सिनेमा के चर्चित फिल्ममेकर-एक्टर दिलीश पोथन. दो जबरदस्त दिमाग और एक कमाल की परफॉर्मर — ऐसा तिकडी इकट्ठा हो रहा है जो मलयालम सिनेमा में कुछ नया बातचीत शुरू करा सकता है. पार्वती थिरुवोथु ने इंस्टाग्राम पर लिखा — डॉन पलथारा की बनाई दुनिया में कदम रख रही हूं, वह भी दिलीश पोथन के साथ. बेसब्र हूं. पहली बार पार्वती, डॉन और दिलीश साथ काम कर रहे हैं. डॉन पलथारा का सिनेमा अपने अंदर छुपी कोमल परतों, रिश्तों की तहों और चुपचाप बोल देने वाले इमोशन्स के लिए जाना जाता है — जो पार्वती थिरुवोथु की बारीक और संवेदनशील एक्टिंग से एकदम मैच बैठता है. वहीं दिलीश पोथन खुद एक दमदार निर्देशक और बेहद नपे-तुले मगर असरदार अभिनेता माने जाते हैं. कहानी अभी राज में है, पर कहा जा रहा है कि यह इमोशन से भरी ड्रामा फिल्म होगी.

सामने आई अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनीत डकैत की रिलीज डेट

अदिवी शेष और मृणाल ठाकुर अभिनित फिल्म डकैत की नई रिलीज डेट तय हो गई है। पहले यह फिल्म दिसंबर 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शेष की चोट के कारण इसकी नई रिलीज डेट जारी की गई है।

मृणाल ठाकुर ने शेयर किया पोस्ट

मृणाल ने अपनी आगामी फिल्म डकैत का एक नया पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया और साथ ही फिल्म की नई रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए कैप्शन में लिखा, डकैत के साथ धमाकेदार ड्रामा का अनुभव करें। 19 मार्च, 2026 को हिंदी और तेलुगु में दुनिया भर में भव्य रिलीज।

डकैत और लव एंड वॉर में होगा मुकाबला

टीम ने आज आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर डकैत की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। डकैत 19 मार्च, 2026 को, उगादि और ईद के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कथित तौर पर यह संजय लीला भंसाली की रोमांटिक ड्रामा फिल्म लव एंड वॉर के आस पास रिलीज होगी, जिसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं। लव एंड वॉर 20 मार्च, 2026 को रिलीज हो रही है।

डकैत के बारे में

फिल्म डकैत एक प्रेम कहानी है। शेष और मृणाल के अलावा फिल्म में अनुराग कश्यप की अहम भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन शनील देव ने किया है। यह फिल्म हिंदी और तेलुगु में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शनील देव ने मिलकर लिखी है। इस रोमांटिक एक्शन थ्रिलर में प्रकाश राज, सुनील, अतुल कुलकर्णी और जैन मैरी खान भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्पिरिट में हुई कोरियन एक्टर डॉन ली की एंट्री

साउथ इंडियन सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म स्पिरिट में अब एक रोमांचक मोड़ आया है। इस फिल्म से अब एक कोरियन एक्शन एक्टर जुड़ गए हैं।

डॉन ली का फिल्म में स्वागत बुधवार को मेकर्स ने ऐलान किया कि ट्रेन टू बुसान और इटर्नल्स के लिए मशहूर एक्टर डॉन ली ने संदीप वांदा रेड्डी की एक्शन फिल्म स्पिरिट साइन कर ली है। मेकर्स ने उनका स्वागत करते हुए एक पोस्टर जारी किया। वहीं फैंस ने कमेंट्स में इस अंतरराष्ट्रीय जोड़ी पर खुशी जताई है। फिल्म स्पिरिट को संदीप रेड्डी वांगा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो कबीर सिंह और एनिमल जैसी फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं। इस महीने प्रभास के जन्मदिन पर पांच भाषाओं- तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में फिल्म स्पिरिट का साउंड स्टोरी टीजर जारी हुआ था। इस फिल्म में प्रभास और डॉन ली के अलावा विवेक ओबेरॉय और प्रकाश राज भी अहम किरदार में नजर आएंगे। कथित तौर पर पहले दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, लेकिन शेड्यूल की समस्या से उन्होंने फिल्म छोड़ दी। अब यह रोल तृप्ति डिमरी को मिला है। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। यह भूषण कुमार और संदीप की भद्रकाली पिक्चर्स का प्रोजेक्ट है।

बैटल ऑफ गलवां में सलमान के साथ नजर आएंगे गोविंदा

बॉलीवुड के 'पार्टनर' यानी सलमान खान और गोविंदा की जोड़ी अब एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आ सकती है। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चाओं में हैं। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस फिल्म में सलमान खान के साथ गोविंदा भी नजर आएंगे। यानी लगभग 18 साल बाद दोनों अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आएंगे। बिग बॉस 19 के हालिया एपिसोड में गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा शो में बतौर मेहमान शामिल हुईं। सलमान और सुनीता ने गोविंदा के साथ उनके फिर से साथ आने पर चर्चा की, जो अब फैंस के बीच वायरल है। दरअसल, सलमान ने इस दौरान ये कहा कि अब वो और गोविंदा एक साथ काम कर रहे हैं। हालांकि, सलमान ने इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया, लेकिन ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि गोविंदा वॉर ड्रामा 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान के साथ अभिनय करेंगे।

इन चर्चाओं के बीच कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि गोविंदा ने 'बैटल ऑफ गलवां' की शूटिंग भी शुरू कर दी है। 'बैटल ऑफ गलवां' अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित है। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है, जो समुद्र तल से 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर बिना एक भी गोली चलाए लड़ा गया था। सलमान के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

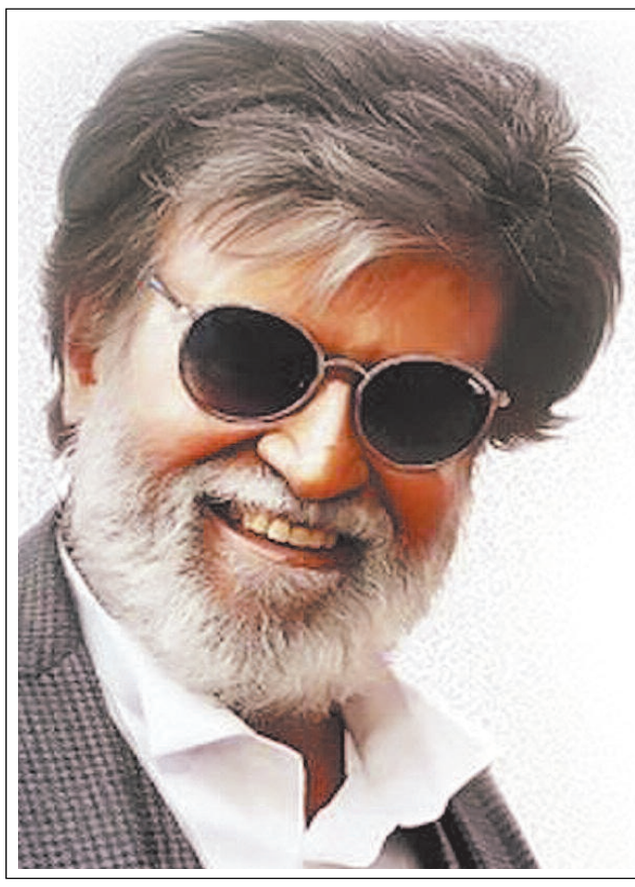

रजनीकांत सिनेमा से लेंगे संन्यास? कमल हासन संग काम के बाद होंगे रिटायर

भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत एक ओर जहां 75 साल की उम्र में भी लगातार फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं, वहीं बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बीच उनके रिटायरमेंट की चर्चा शुरू हो गई है। जी हां, तमिल मीडिया में यह चौंकाने और दिल तोड़ने वाली खबरें सुर्खियां बटोर रही हैं कि थलाइवा अगले कुछ साल में फिल्मों से रिटायर हो सकते हैं। रजनीकांत फिलहाल नेल्सन के डायरेक्शन में बन रही जेलर 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि रजनीकांत बढ़ती उम्र के साथ आने वाली स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं से घिरे हुए हैं। हालांकि, बावजूद इसके वह लगातार अपनी फिल्मों के कारण यात्रा भी कर रहे हैं। फिलहाल उनकी झोली में 4 अपकमिंग फिल्में हैं, जिनमें से एक फिल्म दिग्गज एक्टर कमल हासन के साथ है। बताया जाता है इस मल्टीस्टारर फिल्म के बाद रजनी सर सिनेमा से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं।

रजनीकांत की झोली में कम से कम 4 फिल्में

बीते दिनों आई कुली के बाद रजनीकांत इन दिनों जहां जेलर 2 में बिजी हैं, वहीं इसके बाद वह RKFI के साथ एक और फिल्म करेंगे, जिसका निर्देशन सुंदर सी कर रहे हैं। इसकी घोषणा कुछ हफ़्तों में होने की उम्मीद है। इसके अलावा वह निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं, जिसकी टाइमलाइन अभी नहीं आई है। फिलहाल, रजनीकांत के पास कम से कम 4 फिल्में पाइपलाइन में हैं।

बीते दिनों, कमल हासन और रजनीकांत दोनों ने इस बड़े प्रोजेक्ट की पुष्टि खुद की थी। हालांकि, अभी यह तय नहीं हुआ है कि इस फिल्म को कौन डायरेक्ट करेगा। खबरों में नेल्सन दिलीपकुमार का भी नाम है। कहा जा रहा है कि नेल्सन 2027 में इस फिल्म को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। लेकिन उससे पहले स्क्रिप्ट फाइनल किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का निर्माण कमल हासन की राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा किया जाएगा। वलाईपेचु की रिपोर्ट के मुताबिक, यह थलाइवा रजनीकांत की आखिरी फिल्म होगी।

रजनीकांत और कमल हासन करीब 4 दशक बाद साथ करेंगे काम

रजनीकांत और कमल हासन ने 1970 और 1980 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अपूर्व रागंगल (1975) और 16 वैयाथिनिले (1977) जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। पिछली बार वह करीब 4 दशक पहले पर्दे पर साथ दिखे थे।

भारत सरकार ने रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए 2000 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण, और 2019 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्हें एक राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, सात तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार, एक नंदी पुरस्कार, एक फिल्मफेयर पुरस्कार और दो महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। रजनीकांत का असली नाम शिवाजी राव गायकवाड है। उन्होंने 1975 में अपूर्वा रागंगल फिल्म से डेब्यू किया था। कुली उनके करियर की 171वीं फिल्म थी।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।